■ माघ शुक्ल - 12 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 177 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 22-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

2 आंध्र, तेलंगाना में अप्रैल के पहले सप्ताह में हो सकते हैं लोकसभा चुनाव : रेड्डी

6 सिया राम मय सब जग जानी

7 निष्पक्ष चुनाव नहीं होने से पाकिस्तान में और अस्थिरता होगी : इमरान खान

## फर्स्ट टेक

### अयोध्या मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

**अररिया/भाषा।** बिहार के अररिया जिले में पुलिस को फोन कर 22 जनवरी को राम मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाले 21 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अररिया के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी इंतेखाब आलम को शनिवार की देर रात पलासी थानाक्षेत्र के बलुआ कलियागंज गांव में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आरोपी ने 19 जनवरी को 112 नंबर ( जिस नंबर पर नागरिक आपातकालीन सहायता मांगते हैं) पर डायल कर कहा था कि उसका नाम छोटा शकील है और वह दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी है।

### इराक में अमेरिकी वायुसैनिक अड्डे पर मिसाइल हमला

**बगदाद/वार्ता।** इराक के पश्चिमी प्रांत अनबर में अमेरिकी वायुसैनिक अड्डे 'ऐन अल-असद' पर मिसाइल से हमला किया गया और हवाईअड्डे के पास पांच रॉकेट गिरे है। इराकी समाचार एजेंसी शफाक ने एक सुरक्षा सूत्र के हवाले से शनिवार को यह खबर दी। सूत्र ने बताया कि मिसाइलों को इराकी शहर अल बगदादी से दागा गया था, हालांकि उसने इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। इराकी सशस्त्र बलों के प्रमुख्य के प्रवक्ता याह्या रसूल ने इराकी समाचार एजेंसी को बताया कि बमबारी में एक इराकी सैनिक घायल हो गया और संपत्ति की क्षति हुई है।

### पुतिन ने उत्तर कोरिया की यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की

**प्योंगयांग/वार्ता।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया की यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के विदेश मंत्री के सहायक कार्यालय द्वारा एक दिन पहले जारी एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए रविवार को यह जानकारी दी।

| 22-01-2024 | 23-01-2024 |
|---|---|
| सूर्यास्त 6:04 बजे | सूर्योदय 6:35 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 71,423.65 | 21,571.80 |
| (+236.79) | (+109.55) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 6,488 रु. | 77,200 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

**मिशन मंडेला**

**दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

**जय श्रीराम**

अवधपुरी का रूप पुरातन,
सुंदर नव्य बना है।
अखिल जगत के नायक का,
अद्भुत भवितव्य बना है।
राम नाम का मधुर जाप,
जन श्रुति में श्रव्य बना है।
पुण्य भूमि पर चिर अभिलाषित,
मंदिर भव्य बना है।।

## श्रीरामजन्मभूमि पर नवनिर्मित भव्य मंदिर में

# आज विराजित होगें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

## प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयार 'राममय' अयोध्या, पुष्पों एवं रोशनी से सजी नगरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या/भाषा।** राम मंदिर में सोमवार को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के भव्य आयोजन के लिए अयोध्या नगरी सजकर तैयार है और इस बहु-प्रतीक्षित समारोह के धार्मिक अनुष्ठानों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। इस मंदिर को समारोह के अगले दिन ही आमजन के लिए खोल दिया जाएगा। 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह अपराह्न 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और अपराह्न एक बजे तक उसके पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद प्रधानमंत्री आयोजन स्थल पर संतों और प्रतिष्ठित हस्तियों समेत 7,000 से अधिक लोगों की सभा को संबोधित करेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, रविवार को राम लला की मूर्ति को विभिन्न तीर्थ स्थलों से लाए गए 'औषधियुक्त' और पवित्र जल से भरे 114 घड़ों से स्नान कराया गया। ट्रस्ट के एक सदस्य ने कहा, ''मूर्ति को आज 'मध्याधिवास' में रखा गया। 'रात्रि जागरण अधिवास' रविवार से शुरू हुआ। राम लला की पुरानी मूर्ति की पूजा 'यज्ञशाला' में की जा रही है। चेन्नई और पुणे समेत कई स्थानों से आए फूलों से अनुष्ठान किए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज, मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा अपने परिवार के साथ, विहिप प्रमुख आर. एन. सिंह और अन्य लोग अनुष्ठान कर रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह संबंधी अनुष्ठान 16 जनवरी को सरयू नदी से शुरू हुआ, जो सोमवार दोपहर 'अभिजीत मुहूर्त' में पूरा होगा।''

समारोह के लिए आमंत्रित कुछ लोग रविवार को अयोध्या पहुंच गए और अन्य लोगों के सोमवार सुबह पहुंच जाने की उम्मीद है। ऐसी उम्मीद है कि लाखों लोग टेलीविजन और ऑनलाइन मंचों पर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखेंगे। इसे देखते हुए केंद्र सरकार समेत कई राज्य सरकारों ने आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की है।

प्राधिकारियों ने भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में रविवार को समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। इसके साथ ही देश और विदेश में इस अवसर पर विशेष उत्सव की घोषणा की गयी है। वाशिंगटन डीसी से लेकर पेरिस और सिडनी तक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 22 जनवरी को कार्यक्रमों की घोषणा की गयी है। ये कार्यक्रम 60 देशों में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) या हिंदू प्रवासी समुदाय द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं।

अयोध्या को पुष्पों और रोशनी से सजाया गया है और रविवार को जगह-जगह लगाये गये लाउडस्पीकर पर 'राम धुन' बजाई गई। शहरवासी भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के रूप में तैयार होकर सड़कों पर निकले और उनके पीछे-पीछे मंत्रमुग्ध भक्त भी रैलियों में शामिल हुए। पुष्प पैटर्न और रोशनी से 'जय श्री राम' का चित्रण करने वाले औपचारिक द्वार शहर की आभा को बढ़ा रहे हैं।

मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई रामलला की 51 इंच की नई मूर्ति को बृहस्पतिवार दोपहर को मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया गया। 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से 14 दंपती 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए 'यजमान' होंगे।

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत संत समाज और अति विशिष्ट लोगों की उपस्थिति में रामलला के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक अनुष्ठान आज अपराह्न 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और अपराह्न एक बजे तक उसके पूरा होने की उम्मीद है।

### राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा भारत के पुनरुत्थान में एक नया चक्र : राष्ट्रपति

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देश भर में जश्न का माहौल भारत की शाश्वत आत्मा की एक निर्बाध अभिव्यक्ति और देश के पुनरुत्थान में एक नए चक्र की शुरुआत है। राष्ट्रपति ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में यह बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी को लिखे दो पन्नों के पत्र में, राष्ट्रपति ने कहा, ''जैसा कि आपने अयोध्या में भगवान राम के जन्मस्थान पर बने नए मंदिर में प्रभु श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए जाने के वास्ते खुद को तैयार किया है। मैं केवल उस अद्वितीय सभ्यतागत यात्रा की कल्पना कर सकती हूं, जो पवित्र परिसर में आपके द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम के साथ पूरी होगी।'' मोदी द्वारा किए गए 11 दिवसीय कठोर 'अनुष्ठान' का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा कि यह न केवल एक पवित्र अनुष्ठान है, बल्कि भगवान राम के प्रति त्याग और समर्पण का एक सर्वोच्च आध्यात्मिक कार्य भी है।

राष्ट्रपति ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देश भर में जश्न का माहौल भारत की शाश्वत आत्मा की एक निर्बाध अभिव्यक्ति है।

### मोदी दोपहर के आसपास समारोह में शामिल होंगे

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को दोपहर के आसपास अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी। पीएमओ द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण से जुड़े श्रमजीवियों के साथ बातचीत करेंगे। वह कुबेर टीला भी जाएंगे, जहां एक प्राचीन शिव मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। मोदी पुनर्निर्मित मंदिर में पूजा और दर्शन भी करेंगे।

## रूस का निजी विमान अफगानिस्तान में हुआ दुर्घटनाग्रस्त

**इस्लामाबाद/एपी।** रूस का एक निजी विमान अफगानिस्तान के दूरदराज के एक ग्रामीण इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमान में छह लोग सवार थे। विमान एक एंबुलेंस उड़ान के तौर पर भारत के गया से ताशकंद के रास्ते मॉस्को तक परिचालित किया जा रहा था। क्षेत्रीय प्रवक्ता जबीउल्ला अमीरी ने बताया कि दुर्घटना शनिवार को बदख्शां प्रांत के जेबक जिले के पास एक पर्वतीय इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि एक बचाव दल दुर्घटना स्थल के लिए रवाना किया गया है। जेबक अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से करीब 250 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह एक ग्रामीण और पर्वतीय इलाका है। बदख्शां पुलिस प्रमुख के कार्यालय ने भी एक बयान में दुर्घटना की पुष्टि की है।

## 'कांग्रेस को भी राम की ही शरण में आना पड़ा'

**नई दिल्ली/शिमला/वार्ता।** केंद्रीय सूचना प्रसारण व खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की सरकार की ओर से सोमवार को एक दिन की छुट्टी की घोषणा को दिखावा बताते हुए कहा कि कांग्रेस का राम प्रेम छलावा है और राम को काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस को भी राम की ही शरण में आना पड़ा।

ठाकुर ने कहा,''कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल श्री राम के नाम से चाहे कितनी भी घृणा, द्वेष व राजनीति कर लें, अंत में आना सभी को श्री राम के शरण में ही है क्योंकि हमारे श्री राम देश की आत्मा हैं और श्री राम की पूजा राष्ट्र पूजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार आज पूरा देश राममय होकर गर्व से अपने सनातनी संस्कारों को प्रतिस्थापित कर रहा है उससे स्पष्ट है कि सनातन विरोधी पार्टियां और श्री राम नाम विरोधी कांग्रेस अब ज्यादा दिन तक श्री राम के विरोध की राजनीति नहीं कर पाएंगे। उन्हें न चाहते हुए भी प्रभु श्री राम की शरण में आना ही पड़ा।''

ठाकुर ने कहा, ''आज आप देख रहे हैं कि किस प्रकार कांग्रेस के लोग पार्टी लाइन से हटकर श्री राम का गुणगान कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक तौर पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार किया है लेकिन आज हिमाचल सरकार ने भी स्वयं को प्रभु श्री राम से जुड़ा हुआ दिखाने हेतु 22 जनवरी को पूरे दिन की छुट्टी की घोषणा की है। लेकिन इन्हें नहीं पता है कि जनता सब सच जानती है।

## बाइडेन के फिलिस्तीनी राज्य का विचार नेतन्याहू ने खारिज किया

**तेल अवीव/वार्ता।** इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर फिलिस्तीनी राज्य बनाने के विचार को खारिज कर दिया है। बीबीसी में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ फोन पर हुयी बातचीत के कुछ घंटों बाद आई जिसके बाद अमेरिकी नेता ने संकेत दिया था कि श्री नेतन्याहू अभी भी इस विचार को स्वीकार कर सकते हैं। श्री नेतन्याहू की टिप्पणी से अमेरिका के साथ सार्वजनिक विभाजन गहराता हुआ प्रतीत हो रहा है। अमेरिका का मानना है कि इजरायल के साथ एक फिलिस्तीनी देश – जिसे दो-देशीय समाधान के रूप में जाना जाता है – दीर्घकालिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन व्हाइट हाउस ने इस सप्ताह स्वीकार किया कि अमेरिका और इजरायली सरकारें स्पष्ट रूप से चीजों को अलग तरह से देखती हैं।

## देश का धन देश में रखने के लिए मोदी ने 'वेड इन इंडिया' का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अहमदाबाद/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीयों द्वारा विदेशों में जाकर शादी रचाने के बढ़ते चलन का मुद्दा उठाया और कहा कि लोगों को ''भारत में ही शादी'' करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि देश का धन देश में ही बना रहे।

गुजरात के अमरेली शहर में बनने वाले खोडलधाम ट्रस्ट कैंसर अस्पताल के शिलान्यास समारोह को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करने की भी अपील की।

मोदी ने कहा कि लोगों को कैंसर के इलाज में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार ने कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के लिए चिकित्सा देखभाल प्रदान करने और सस्ती कीमतों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगभग 30 नए अस्पताल स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बीमारी के शीघ्र निदान में मदद के लिए ग्रामीण स्तर पर 1.5 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (स्वास्थ्य केंद्र) भी बनाए गए हैं।

श्री खोडलधाम ट्रस्ट-कागवाड का प्रबंधन करने वाले लेउवा पाटीदार समुदाय के सदस्यों की सभा को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा, क्या विदेश में शादी करना उचित है? क्या हमारे देश में शादी नहीं हो सकती? भारत का कितना धन बाहर चला जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आपको ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि विदेश में शादी करने की बीमारी आपके समुदाय में न आए। शादी मां खोडल (समुदाय द्वारा पूजनीय देवी) के चरणों में क्यों नहीं होनी चाहिए? इसलिए मैं कहता हूं 'वेड इन इंडिया'। शादी हिंदुस्तान में करो। 'मेड इन इंडिया' की तरह 'वेड इन इंडिया'। उन्होंने लोगों से देश के भीतर पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करने की भी अपील की। मोदी ने कहा, जितना संभव हो, पहले अपने देश की यात्रा करें। यदि आप यात्रा करना चाहते हैं, तो अपने देश के भीतर यात्रा करें, पर्यटन को बढ़ावा दें।

■ **जितना संभव हो, पहले अपने देश की यात्रा करें। यदि आप यात्रा करना चाहते हैं, तो अपने देश के भीतर यात्रा करें, पर्यटन को बढ़ावा दें।**

## कबूतरबाजी रैकेट में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ ईडी की गुजरात, दिल्ली में छापेमारी

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को कहा कि उसने गुजरात और दिल्ली में कुछ प्रमुख साजिशकर्ताओं के खिलाफ छापेमारी की है, जो भारतीय नागरिकों को ''फर्जी'' वीजा और पासपोर्ट का उपयोग करके विदेश भेजने का रैकेट चलाते थे। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि ये छापेमारी 19-20 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और मेहसाणा तथा दिल्ली में 22 स्थानों पर की गई। एजेंसी ने बयान में कहा कि ये स्थान लोगों को अवैध तरीके से विदेश भेजने में सहायता के मामले में प्रमुख साजिशकर्ताओं बॉबी उर्फ भरतभाई पटेल, चरणजीत सिंह और अन्य से जुड़े थे। पटेल को इस मामले में 2022 में गुजरात पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था और वह उसी वर्ष हुए डिंगुचा मामले में भी शामिल था, जिसमें कनाडा से अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास करते समय एक भारतीय परिवार के चार व्यक्तियों की भयंकर ठंड के चलते मौत हो गई थी। आरोपियों के खिलाफ पीएमएलए की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज ईडी का मामला भारतीय नागरिकों को 2015 से अवैध रूप से विदेश भेजने में उनकी कथित संलिप्तता के लिए भारतीय दंड संहिता और पासपोर्ट अधिनियम के तहत गुजरात पुलिस की ओर से दर्ज की गई दो प्राथमिकी से उपजा है।

## आम चुनाव से पहले पेश होने वाले बजट में कर मोर्चे पर मिल सकती है कुछ राहत: अर्थशास्त्री

**नई दिल्ली/भाषा।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिन में आम बजट पेश करेंगी। बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर मुख्य रूप से आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है। अर्थशास्त्रियों की राय इसपर अलग-अलग है। कुछ का कहना है कि सरकार आम चुनावों से पहले अगले महीने पेश होने वाले अंतरिम बजट में मानक कटौती की राशि बढ़ाकर आयकरदाताओं को राहत देने के साथ महिलाओं के लिए अलग से कुछ कर छूट दे सकती है। हालांकि, कुछ यह भी मानते हैं कि यह अंतरिम बजट है, ऐसे में आयकर मामले में बदलाव की उम्मीद नहीं है। वित्त मंत्री सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज के चेयरमैन सुदिप्तो मंडल ने पीटीआई-भाषा से कहा, अंतरिम बजट में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को आयकर मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकती है। मानक कटौती की राशि बढ़ाकर कुछ राहत दिए जाने की उम्मीद है। लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि गरीब और निम्न मध्यम वर्ग आयकर नहीं देता है। फिलहाल मानक कटौती के तहत 50,000 रुपए की छूट है। करदाताओं को राहत से जुड़े सवाल के जवाब में लखनऊ स्थित गिरि विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रमोद कुमार ने कहा, इसके बारे में कुछ कहना मुश्किल है। यह आर्थिक कारकों के अलावा कई अन्य चीजों पर भी निर्भर करता है।

## मुंबई में अस्पताल में लगी आग, आईसीयू के छह मरीजों को स्थानांतरित किया गया

**मुंबई/भाषा।** मुंबई में शनिवार की देर रात नगर निकाय के एक एक अस्पताल में आग लगने के बाद छह मरीजों को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से स्थानांतरित किया गया। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपनगरीय विक्रोली के टैगोर नगर स्थित डॉ. आंबेडकर अस्पताल में देर रात एक बजकर 47 मिनट पर आग लगी। उन्होंने बताया कि आग तीन मंजिला अस्पताल भवन के भूतल पर आईसीयू तक फैल गई थी। एहतियात के तौर पर, चार वरिष्ठ नागरिकों सहित छह मरीजों को डॉक्टरों की मौजूदगी में आईसीयू वार्ड से आपात वार्ड में स्थानांतरित किया गया। उन्होंने बताया कि आग पर देर रात 2.25 बजे तक काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

## गया में ईंधन भरवाने के बाद अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान भारत का नहीं : केंद्र सरकार

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत सरकार ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक छोटा विमान किसी भारतीय विमानन कंपनी का नहीं था और उसने थाईलैंड के एक हवाई अड्डे से मॉस्को के लिए उड़ान भरते वक्त गया स्थित हवाई अड्डे पर ईंधन भरवाया था। भारत के एक विमान के शनिवार रात अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरों के बीच नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि यह विमान मोरक्को में पंजीकृत था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उपलब्ध सूचना के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त विमान मोरक्को में पंजीकृत डीएफ-10 (दसॉल्ट फाल्कन) एक छोटा विमान है। यह किसी भारतीय एयरलाइन का विमान नहीं है। इसमें कहा गया है, विमान एक एयर एम्बुलेंस था और थाईलैंड से मॉस्को के लिए उड़ान भर रहा था और उसने गया स्थित हवाई अड्डे पर ईंधन भरवाया था। एक सूत्र ने बताया कि विमान ने थाईलैंड के उतापाओ हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अफगानिस्तान में हुई दुखद विमान दुर्घटना का संबंध भारत के किसी अनुसूचित विमान या गैर अनुसूचित/विशेष विमान से नहीं है। यह मोरक्को में पंजीकृत एक छोटा विमान था।

## दिल्ली में दो करोड़ रुपए मूल्य की 12.22 लाख अवैध रूप से आयातित सिगरेट जब्त

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली में सीमा शुल्क अधिकारियों ने दो करोड़ रुपए मूल्य की अवैध रूप से आयातित 12.22 लाख विदेशी सिगरेट जब्त की हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, दिल्ली सीमा शुल्क निवारक ने जब्ती के बाद 20-21 जनवरी को विदेशी सिगरेट को अवैध रूप आयात/तस्करी और कब्जे में रखने का मामला दर्ज किया। दिल्ली-06 में नयाबांस के कटरा बैरियान इलाके में दो दुकानों और तीन गोदामों पर छापेमारी की गई थी। बयान के अनुसार '' ईएसएसई, मोंड, डनहिल, डेविडॉफ, गुडांग गरम, प्लैटिनम सेवन आदि ब्रांड की कुल 12.22 लाख सिगरेट जब्त की गईं। प्रारंभिक जांच में जब्त सिगरेट की कीमत करीब दो करोड़ रुपए आंकी है। सही मूल्यांकन किया जा रहा है।

# भारत का बीते साल वस्तु एवं सेवा निर्यात 0.4 प्रतिशत बढ़कर 765.6 अरब डॉलर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद बीते साल (2023 में) देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात मामूली 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 765.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

भारत के निर्यात को इलेक्ट्रॉनिक, दवा, सूती धागा, कपड़े और मेड-अप; सिरेमिक उत्पाद, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पाद, फल और सब्जियां और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से मदद मिली है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले कैलेंडर साल में वस्तुओं का निर्यात 4.71 प्रतिशत घटकर 431.9 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं सेवाओं का निर्यात 7.88 प्रतिशत बढ़कर 333.8 अरब डॉलर पर पहुंचने अनुमान है। वस्तुओं का आयात भी पिछले साल सात प्रतिशत घटकर 667.73 अरब डॉलर रहा। 2022 में यह 720.2 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी सेवा क्षेत्र के नवंबर 2023 तक के आंकड़े जारी किए गए हैं। दिसंबर 2023 का आंकड़ा मंत्रालय का एक अनुमान है। भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्यों में अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, बांग्लादेश, ब्रिटेन और जर्मनी शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष और मालवाहक जहाजों पर यमन स्थित हुती विद्रोहियों के हमलों के कारण लाल सागर व्यापार मार्ग संकट के चलते माल लदान प्रभावित हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ये चुनौतियां लंबे समय तक बनी रहीं, तो इसका वैश्विक व्यापार पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत का निर्यात और आयात 2022 के 1,651.9 अरब डॉलर की तुलना में 2023 में 2.6 प्रतिशत घटकर 1,609 अरब डॉलर रह गया है।

## सरकार बजट में 'संरक्षणवादी' उपाय करे, कच्चे माल से शुल्क हटाए : अभ्युदय जिंदल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने सरकार से आगामी आम बजट में कच्चे माल पर आयात शुल्क हटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस उपाय से घरेलू कंपनियों को भी समान अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि घरेलू उद्योग चीन और वियतनाम जैसे चुनिंदा देशों से आयातित सस्ते और खराब गुणवत्ता वाले स्टेनलेस स्टील उत्पादों से प्रभावित हो रहा है। ऐसे में उन्होंने आयात पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) लगाने का सुझाव दिया है। जिंदल ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, स्टेनलेस स्टील उद्योग की एक लंबे समय से चली आ रही जरूरत कुछ ऐसे कच्चे माल की है, जो देश में नहीं हैं। इनमें फेरो निकेल और फेरो मोलिब्डेनम शामिल हैं।

फिलहाल फेरो निकेल पर 2.5 प्रतिशत और फेरो मोलिब्डेनम पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगता है।

अपनी बजट अपेक्षाओं पर जेएसएल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि चीन, वियतनाम और कुछ उन देशों से इन उत्पादों की डंपिंग हो रही है, जिनके साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। उन्होंने कहा कि इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) पर गंभीर दबाव पड़ रहा है। यह स्टेनलेस स्टील उद्योग को आत्मनिर्भर बनने से भी रोक रहा है। उन्होंने कहा, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा एक जांच की गई थी। इसका एक रास्ता यह है कि हमें निश्चित रूप से किसी प्रकार के 'संरक्षणवादी' उपाय की जरूरत है।

## अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति संतोषजनक है: जेआईसीए

**नई दिल्ली/भाषा।** जेआईसीए (जीका) इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि साइतो मित्सुनोरी ने अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा है कि पीएम गति शक्ति योजना से देश में सार्वजनिक कार्यों में तेजी आई है। मित्सुनोरी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में भारत के सीमा सड़क सपर्क को बढ़ाने और भूटान, नेपाल तथा बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय बिजली पारेषण परियोजना में हिस्सा लेने में जापान की रुचि भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, एक बार परियोजना की अवधारणा पर काम शुरू होने का मतलब है कि सरकार के भीतर आधिकारिक काम जारी है। इसको लेकर स्पष्टता है और हर कोई प्रगति का आकलन तथा निगरानी कर रहा है इससे इस देश में सार्वजनिक कार्यों में तेजी लाने में बहुत मदद मिली।

जेआईसीए इंडिया के प्रमुख ने कहा कि स्थिति में अब थोड़ा सुधार हुआ है, क्योंकि पहले स्थानीय प्राधिकरण से मंजूरी मिलने में वर्षों लग जाते थे जिससे परियोजना में देरी होती थी और लागत बढ़ जाती थी। जापान की वित्तपोषण एजेंसी जेआईसीए भारत की कई अरब डॉलर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे चेन्नई, अहमदाबाद तथा दिल्ली में मेट्रो परियोजनाओं और ग्रामीण विकास तथा शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कई अन्य परियोजनाओं की वित्तपोषण भागीदार रही है। सरकार ने विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में 'मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी' बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए 2021 में पीएम गति शक्ति योजना शुरू की। अहमदाबाद-मुंबई द्रुत गति की गलियारा परियोजना की प्रगति के बारे में जेआईसीए के मुख्य प्रतिनिधि ने कहा कि एजेंसी सभी खंडों में काम शुरू होने से उत्साहित है। परियोजना को लेकर सभी अनिश्चितताएं दूर हो गई हैं। उन्होंने नेपाल और भूटान को बांग्लादेश से जोड़ने वाली बिजली पारेषण परियोजनाओं के वित्तपोषण में भी गहरी रुचि व्यक्त की है। मित्सुनोरी ने कहा, हम बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में क्षेत्र के देशों के साथ जुड़ने के लिए काफी उत्सुक हैं।

## पीएमएलए निर्णायक प्राधिकार ने पूर्व विशेष न्यायाधीश के खिलाफ ईडी के कुर्की आदेश को दी मंजूरी

**नई दिल्ली/भाषा।** धन शोधन मामले में गिरफ्तार हरियाणा के पंचकुला में तैनात पूर्व विशेष पीएमएलए न्यायाधीश के रिश्तेदारों और दोस्तों की सात करोड़ रुपए से अधिक की दो संपत्तियां जल्द ही जब्त की जा सकती हैं, क्योंकि निर्णायक प्राधिकार ने जब्ती आदेश को मंजूरी दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी ने पिछले साल अगस्त में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जारी एक अनंतिम आदेश के तहत संपत्तियों को कुर्क किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बयान में कहा कि पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकार ने 18 जनवरी को उक्त कुर्की आदेश की पुष्टि की।

बयान के मुताबिक पता चला कि संपत्तियां सुधीर परमार और अन्य के मामले में अपराध की आय से अर्जित की गईं। कुर्क की गई संपत्तियों में दो अचल संपत्तियां शामिल हैं, जो आरोपी पूर्व-पीएमएलए न्यायाधीश सुधीर परमार के रिश्तेदारों, दोस्तों के नाम पर थीं। इसमें कहा गया है कि संपत्ति का मूल्य 7.59 करोड़ रुपए है।

# वाईएस शर्मिला ने आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**विजयवाड़ा/भाषा।** वाईएस शर्मिला ने रविवार को यहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी(एपीसीसी) के अध्यक्ष पद की शपथ ली। नवनियुक्त एपीसीसी अध्यक्ष ने उन पर भरोसा जताने और उन्हें जिम्मेदारी सौंपने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को धन्यवाद दिया।

शर्मिला ने कहा, वाई एस राजशेखर रेड्डी ने दो बार पीसीसी (अध्यक्ष) का पद संभाला और दो बार मुख्यमंत्री बने। फिर से राजशेखर रेड्डी की संतान वाई एस शर्मिला पर विश्वास करते हुए कांग्रेस पार्टी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, (मल्लिकार्जुन) खरगे और पार्टी के बुजुर्गों ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है।

बिना कुछ कहे, शर्मिला ने तुरंत अपने भाई और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा)पर तीखा हमला किया। उन्होंने दावा किया कि वाईएसआरसीपी सरकार के तहत पिछले पांच वर्षों में और उससे पहले तेदेपा के शासन में पांच साल में आंध्र प्रदेश में कोई विकास नहीं हुआ। शर्मिला ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी और तेदेपा सरकारों ने आंध्र प्रदेश को लगभग 10 लाख करोड़ रुपए के गहरे कर्ज में धकेल दिया है।

# सिर्फ शून्य उत्सर्जन कारें ही वायु प्रदूषण घटाने, तेल आयात कम करने में मददगार : टाटा मोटर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा का मानना है कि केवल शून्य उत्सर्जन वाली कारें ही वायु प्रदूषण में कमी लाने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती हैं।

उद्योग के एक वर्ग द्वारा हाइब्रिड कारों पर लगाए गए करों में कटौती की मांग के बीच चंद्रा ने कहा कि ऐसे वाहन शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने, वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार और जीवाश्म ईंधन आयात को कम करने के प्रमुख राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ मेल नहीं खाते हैं। उन्होंने कहा कि कारों में हाइब्रिड और सीएनजी प्रौद्योगिकियां ईंधन दक्षता में सुधार करने और उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं, लेकिन इसकी तुलना शुद्ध बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से नहीं की जा सकती। चंद्रा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, सरकार पहले से ही कम कराधान के जरिये हाइब्रिड वाहनों को समर्थन दे रही है और इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों के समान लाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड कारों की तुलना इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से नहीं की जा सकती क्योंकि वे अनिवार्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले 'जीवाश्म ईंधन' पर चलती हैं।

चंद्रा ने कहा कि ईवी की तुलना में हाइब्रिड को 'अनावश्यक दर्जा' देने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार हालांकि ईवी को समर्थन देने के मामले में बहुत सहयोगी और दृढ़ रही है। देश में हाइब्रिड वाहनों पर

शैलेश चंद्रा

कुल कर 43 प्रतिशत है, जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी शामिल है। वहीं बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगभग पांच प्रतिशत कर लगता है।

टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी घरेलू वाहन कंपनियां बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जबकि टोयोटा, सुजुकी और होंडा जैसे जापानी वाहन विनिर्माता घरेलू बाजार में हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर दांव लगा रहे हैं। चंद्रा ने कहा, हाइब्रिड वास्तव में एक जीवाश्म ईंधन वाहन है जिसे ईवी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है क्योंकि यह एक मोटर और एक छोटे बैटरी पैक का उपयोग करती है। मूलतः यह ऊर्जा स्रोत के रूप में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती है। उन्होंने आगे कहा, जीवाश्म ईंधन आधारित प्रौद्योगिकी के लिए एक अलग व्यवहार क्यों होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य लक्ष्य को पाने में वाहन उद्योग सिर्फ शुद्ध शून्य-उत्सर्जन प्रौद्योगिकी के जरिये समर्थन दे सकता है। चंद्रा ने कहा, हमें (ईवी निर्माताओं को) समर्थन की आवश्यकता है, जो प्रौद्योगिकी की बहुत ऊंची लागत की वजह से दिया जा रहा है। इसके अलावा आपूर्ति के लिए पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र और चार्जिंग ढांचे की कमी है।

# फडणवीस ने अयोध्या जा रहे कारसेवकों के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नागपुर रेलवे स्टेशन से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या जा रहे कारसेवकों के साथ नजर आ रहे हैं। फडणवीस ने तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा 'आज पुरानी यादें ताजा हो गईं।

उत्तर प्रदेश के अयोध्या शहर में बहुप्रतीक्षित राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह सोमवार को किया जाएगा, जिसके अनुष्ठान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिस्सा लेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन बाद मंदिर को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। फडणवीस ने 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा करते हुए कहा, जब कल (सोमवार) अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो रहा होगा तो यह तस्वीर पुरानी यादें ताजा कर देगी। फडणवीस की पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने नासिक में संवाददाताओं से कहा, हमें सबूत देने की जरूरत नहीं है। राम मंदिर आंदोलन में शिवसेना के योगदान पर सवाल उठाना बचकाना है। तस्वीर नागपुर रेलवे स्टेशन पर ली गई थी। जबकि हमारे पास अयोध्या में गुंबद (बाबरी मस्जिद का जिक्र) पर शिवसैनिकों के चढ़े होने की तस्वीरें हैं।

## प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित नहीं रहूंगा, मंत्रियों के साथ बाद में अयोध्या जाऊंगा: एकनाथ शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि वह 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगे और उनकी योजना बाद में मंत्रिमंडल के अपने सहयोगियों के साथ-साथ विधायकों और लोकसभा सदस्यों को लेकर अयोध्या में रामलला के 'दर्शन' करने की है।

मुंबई में रविवार सुबह आयोजित टाटा मैराथन से इतर संवाददाताओं से बातचीत में शिंदे ने कहा, अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कुछ लोगों के साथ जाने के बजाय मैं राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के साथ-साथ विधायकों और सांसदों को लेकर बाद में जाऊंगा। उन्होंने कहा, मंदिर हमारी आस्था और गौरव से जुड़ा है। मैं अधिकारियों और श्रद्धालुओं को राम मंदिर ले जाना चाहूंगा। शिंदे ने कहा कि सोमवार के समारोह से पहले अधिकारियों को मंदिरों में सफाई अभियान चलाने और उन्हें रोशनी से सजाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले दिन में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी नागपुर में संवाददाताओं से कहा था कि वह फरवरी में 'राम सेवा' के लिए अयोध्या जाएंगे।

## ऑनलाइन गेम खेलने के लिए ग्राहकों की एफडी तोड़ने वाले पूर्व बैंक अधिकारी की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** ग्राहकों की 52 करोड़ रुपए से अधिक की सावधि जमा तोड़ने और उसका इस्तेमाल ऑनलाइन गेम खेलने के लिए करने के आरोप में पंजाब एंड सिंध बैंक के एक पूर्व अधिकारी की 2.56 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति और सावधि जमा जब्त कर ली गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के 'नॉर्थ कैम्पस' के खालसा कॉलेज परिसर स्थित बैंक की शाखा में कार्यरत बेदांशु शेखर मिश्रा को कथित धोखाधड़ी के प्रकाश में आने के बाद नवंबर 2022 में बैंक से निलंबित कर दिया गया था। धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज प्रवर्तन निदेशालय का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी से जुड़ा है। कथित धोखाधड़ी 2021-22 के बीच हुई थी।

ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि मिश्रा ने ''अपने आधिकारिक पद का कथित दुरुपयोग किया और कई ग्राहकों की जानकारी के बिना उनकी एफडी (सावधि जमा) अनधिकृत रूप से भुनाने के लिए अपनी और अन्य कर्मचारियों की 'सिस्टम आईडी' का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी की। एजेंसी ने दावा किया, उन्होंने केवल बैंक ही नहीं, बल्कि बैंक के खाताधारकों के साथ धोखाधड़ी एवं जालसाजी की और 52,99,53,698 रुपए की सार्वजनिक धन की हेराफेरी की।

## आंध्र, तेलंगाना में अप्रैल के पहले सप्ताह में हो सकते हैं लोकसभा चुनाव : केंद्रीय मंत्री रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने का दावा करते हुए रविवार को यहां कहा कि तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में अप्रैल के पहले सप्ताह में लोकसभा चुनाव हो सकते हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनावों की तैयारियों में जुटी हुई है।

भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी ने कहा कि पिछली बार (2019 में) चुनावों के कार्यक्रम को देखते हुए ऐसा लगता है कि आंध्र और तेलंगाना में अप्रैल के पहले सप्ताह में चुनाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम तीसरी बार चुनाव (चुनाव) लड़ने वाले हैं, जिसकी अधिसूचना अगले महीने जारी होने वाली है। हम संसदीय चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। रेड्डी ने कहा, तेलुगू राज्यों में अप्रैल के पहले सप्ताह में चुनाव हो सकते हैं। हमने पिछली बार के निर्वाचन आयोग की चुनाव की तारीखों को देखा है। अगर हम उसके हिसाब से चलें तो यहां (अप्रैल के) पहले सप्ताह में चुनाव होंगे।

युवा सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेलम में रविवार को द्रमुक पार्टी के दूसरे युवा सम्मेलन में के कुछ दृश्य।

# तमिलनाडु में राम मंदिर कार्यक्रमों के सीधा प्रसारण पर पाबंदी : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को तमिलनाडु सरकार पर सोमवार को अयोध्या में आयोजित होने वाले राम मंदिर कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाते हुए इस फैसले को 'हिंदू विरोधी घृणित कार्रवाई' बताया।

श्रीमती सीतारमण ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस निजी मंदिरों को अयोध्या में मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित करने से रोक रही है। उन्होंने एक्स पर कहा,तमिलनाडु सरकार ने 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर के कार्यक्रमों के लाइव टेलीकास्ट देखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। तमिलनाडु में, 200 से अधिक श्री राम मंदिर हैं। जिन मंदिर का प्रबंधन हिन्दू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडॉमेंट डिपार्टमेंट (एचआर एंड सीई) द्वारा किया जाता है, उनमें श्री राम के नाम पर किसी भी तरह की पूजा/भजन/प्रसादम/अन्नदानम की अनुमति नहीं है। पुलिस निजी

तौर पर आयोजित मंदिरों को कार्यक्रम आयोजित करने से रोक रही है। उन्होंने कहा, वे आयोजकों को धमकी दे रहे हैं कि वे पंडालों को तोड़ देंगे। इस हिंदू विरोधी, घृणित कार्रवाई की कड़ी निंदा करती हूं। उन्होंने कहा, तमिलनाडु सरकार अनौपचारिक रूप से लाइव टेलीकास्ट प्रतिबंध को सही ठहराने के लिए कानून और व्यवस्था के मुद्दों का दावा कर रही है। झूठी और फर्जी कहानी! अयोध्या फैसले के दिन कोई कानून-व्यवस्था के मुद्दे नहीं थे। उस दिन भी नहीं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर की नींव रखी थी। तमिलनाडु में श्रीराम का जश्न मनाने के लिए जमीनीस्तर और लोगों की स्वैच्छिक भागीदारी ने हिंदू विरोधी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम को परेशान कर दिया है।

उधर, तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार ने पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सेलम में द्रमुक युवा सम्मेलन से लोगों का ध्यान हटाने के लिए गलत जानकारी का प्रचार कर रही है। राज्य के एचआर एवं सीई मंत्री पी के शेखरबाबू ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि श्रीमती सीतारमण जैसा व्यक्ति, (जो 'उच्च पद' पर आसीन है) ऐसी खबरें फैलाने रहा है, जो स्पष्ट रूप से झूठी और फर्जी हैं'।

## तमिलनाडु के मंदिरों में नहीं लगी पाबंदी, बाबू ने सीतारमण के आरोपों को किया खारिज

**चेन्नई।** तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग (एचआर एंड सीई) मंत्री पी.के. शेखर बाबू ने रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अयोध्या राम मंदिर के कार्यक्रमों को लेकर राज्य के मंदिरों में पाबंदी लगाने की बात कही थी। बाबू ने कहा कि भक्तों के लिए भगवान राम के नाम पर अन्नधनम (मुफ्त भोजन) और पूजा आयोजित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है और राज्य में मंदिर सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का जश्न भी मनाएंगे।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा,एचआर एंड सीई विभाग ने सोमवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर तमिलनाडु के मंदिरों में भक्तों को भोजन देने, श्री राम के नाम पर पूजा करने या प्रसाद प्रदान करने की स्वतंत्रता पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। वह श्रीमती सीतारमण की ओर से सोशल मीडिया पर राज्य सरकार पर लगाए गए आरोप पर प्रतिक्रिया

दे रहे थे, जिसमें उन्होंने (श्रीमती सीतारमण) ने कहा था कि तमिलनाडु सरकार ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि एचआर एंड सीई मंत्रालय द्वारा प्रबंधित मंदिरों में श्री राम के नाम पर किसी भी पूजा, भजन, प्रसादम, अन्नदानम की अनुमति नहीं है। पुलिस निजी तौर पर संचालित मंदिरों को भी कार्यक्रम आयोजित करने से रोक रही है।

उन्होंने कहा था,तमिलनाडु सरकार ने 22 जनवरी के अयोध्या राम मंदिर कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। तमिलनाडु में श्री राम के 200 से अधिक मंदिर हैं। एचआर एंड सीई प्रबंधित मंदिरों में श्री राम के नाम पर किसी भी पूजा/भजन/प्रसादम/अन्नदानम की अनुमति नहीं है। पुलिस निजी तौर पर आयोजित मंदिरों को भी रोक रही है। श्री बाबू ने श्रीमती सीतारमण के आरोपों का जोरदार तरीके से खंडन करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उन जैसे अन्य लोग जानबूझकर ऐसी गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें श्रीमती सीतारमण को शीर्ष पद पर देखकर दुख हुआ है। सरकार एक छिपे हुए एजेंडे के साथ पूरी तरह से असत्य और झूठी जानकारी फैलाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि सेलम में चल रहे सत्तारूढ़ द्रमुक के युवा विंग सम्मेलन से ध्यान हटाने के लिए इस तरह का गलत सूचना अभियान चलाया जा रहा है। यह एक योजनाबद्ध गलत सूचना अभियान है। उन्होंने कहा,विभाग ने राज्य में एचआर एंड सीई प्रशासित मंदिरों में भक्तों को पूजा करने, अन्नधनम देने या राम के नाम पर प्रसाद वितरित करने पर प्रतिबंध नहीं लगाया है।

# प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धनुषकोडी के पास राम मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रामेश्वरम।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अरिचल मुनाई के पास राम मंदिर में पूजा करके देश के दक्षिणी हिस्सों में रामायण से संबंध वाले मंदिरों की अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूरी की। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को तमिलनाडु के अरिचल मुनाई पहुंचे और उन्होंने समुद्र तट पर पुष्प अर्पित किए। मोदी ने वहां 'प्राणायाम' भी किया। उन्होंने समुद्र का जल हाथों में लेकर प्रार्थना की और अर्घ्य दिया। प्रधानमंत्री ने वहां बने राष्ट्रीय प्रतीक स्तंभ पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

रामायण से जुड़े तमिलनाडु के मंदिरों का उनका दौरा सोमवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले संपन्न हुआ है। मोदी ने श्री कोठंडारामस्वामी मंदिर में पूजा की और दर्शन किये, जो धनुषकोडी और अरिचल मुनाई की ओर जाने वाले रास्ते पर है, जहां से श्रीलंका कुछ ही दूरी पर है। तमिल में कोठंडारामस्वामी भगवान राम को धनुष और बाण से दर्शाते हैं। मोदी ने रात्रि प्रवास रामेश्वरम में किया था और इसके बाद वह अरिचल मुनाई गए। कहा जाता है कि अरिचल मुनाई वह स्थान है, जहां राम सेतु का निर्माण हुआ था।

राम सेतु को 'एडम ब्रिज' के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा बताया जाता है कि इसका निर्माण भगवान राम ने रावण से युद्ध करने के लिए लंका जाने के वास्ते 'वानर सेना' की मदद से किया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, मोदी ने आंध्र प्रदेश और केरल के उन मंदिरों में भी प्रार्थना की, जिनका रामायण से संबंध है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को चेन्नई में 'खेलो इंडिया गेम्स, 2023' का उद्घाटन किया था। उन्होंने शनिवार को श्रीरंगम और रामेश्वरम में क्रमशः श्री रंगनाथस्वामी और अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिरों में पूजा अर्चना भी की थी। कोठंडारामस्वामी मंदिर और अरिचल मुनाई की यात्रा के बाद, प्रधानमंत्री मदुरै पहुंचे और विमान से नयी दिल्ली के लिए रवाना हुए। मंदिर के पुजारियों ने कहा कि मोदी अपने साथ तमिलनाडु से पवित्र जल का 'कलश' लेकर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को तमिलनाडु के अरिचल मुनाई पहुंचे और उन्होंने समुद्र तट पर पुष्प अर्पित किए। मोदी ने वहां 'प्राणायाम' भी किया। उन्होंने समुद्र का जल हाथों में लेकर प्रार्थना की और अर्घ्य दिया। मोदी ने रात्रि प्रवास रामेश्वरम में किया था और इसके बाद वह अरिचल मुनाई गए। कहा जाता है कि अरिचल मुनाई वह स्थान है जहां राम सेतु का निर्माण हुआ था।

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को चेन्नई में ''खेलो इंडिया गेम्स 2023'' का उद्घाटन किया था। उन्होंने शनिवार को श्रीरंगम और रामेश्वरम में क्रमशः श्री रंगनाथस्वामी और अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिरों में पूजा अर्चना भी की थी। रामायण से जुड़े तमिलनाडु के मंदिरों का उनका दौरा सोमवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले हो रहा है।

# धर्म और भक्ति पर किसी से सीख की जरूरत नहीं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 22 जनवरी को छुट्टी घोषित नहीं करने के राज्य सरकार के रुख का रविवार को बचाव किया। शिवकुमार ने अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम लंबे समय से अपनी परंपराओं और धार्मिक संस्कारों का पालन करते आ रहे हैं। हमें धर्म और भक्ति के बारे में दूसरों से सीखने की जरूरत नहीं है।

वह अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सोमवार को छुट्टी घोषित करने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के अनुरोध को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। मंदिर मुद्दे का राजनीतिकरण करने के लिए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए शिवकुमार ने कहा, हम धर्म का उपयोग प्रचार के लिए नहीं करते हैं। हम मानते हैं कि प्रार्थनाओं का फल मिलता है और इसलिए हमने किसी के कहने से पहले ही मुजराई विभाग के तहत सभी मंदिरों में विशेष पूजा का आदेश दे दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर दूसरों के सीख की जरूरत नहीं है। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा, सिद्दरामैया के नाम में राम हैं और मेरे नाम में शिव हैं। हम अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को जानते हैं। राजनीति में धर्म होना चाहिए, लेकिन धर्म में राजनीति नहीं होनी चाहिए।

इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने तुमकुरु में पत्रकारों से कहा कि सोमवार को कोई छुट्टी नहीं होगी।

हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एमटीसी सेंट्रल वर्कशॉप में आयोजित समारोह में जनता के उपयोग के लिए खरीदी गई नई बीएस-तख बसों को हरी झंडी दिखाई।

### दलित मेड से मारपीट का मामला

# तमिलनाडु भाजपा नेता ने एससी आयोग को लिखा पत्र

**चेन्नई।** तमिलनाडु में भाजपा के राज्य सचिव विनोज पी. सेल्वम ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष को पत्र लिखकर 18 साल की दलित लड़की के साथ डीएमके विधायक करुणानिथि के परिवार द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की जांच की मांग की है।

विनोज ने एनसीएससी के अध्यक्ष अरुण हलदर को लिखे पत्र में दलित लड़की को हुए आघात के बारे में बताया, जिसने शिकायत की थी कि उसके साथ शारीरिक उत्पीड़न किया गया जिससे उसे मानसिक आघात पहुंचा। पत्र में भाजपा नेता ने कहा कि लड़की ने शिकायत की थी कि जब से उसने चेन्नई के तिरुवन्मियूर में डीएमके विधायक करुणानिथि के बेटे एंटो मथियाप्पन के यहां काम करना शुरू किया, तब से उसे वेतन नहीं मिला।

उन्होंने यह भी कहा कि मथियाप्पन की पत्नी मर्लिन ने उनके साथ शारीरिक उत्पीड़न किया और उन्हें दिन में 16 घंटे से अधिक काम करने के लिए मजबूर किया। बीजेपी नेता के मुताबिक, लड़की ने कहा कि मेरलिन उससे कहती थी कि वह कुछ नहीं कर पाएगी क्योंकि वे एक बहुत शक्तिशाली राजनीतिक परिवार हैं।

विनोज पी. सेल्वम ने अपनी शिकायत में कहा कि तमिलनाडु पुलिस ने लड़की द्वारा शिकायत दर्ज कराने के डेढ़ दिन बाद केस दर्ज किया, लेकिन उन्हें डर है कि कुछ नहीं होगा क्योंकि डीएमके विधायक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। सेल्वम ने कहा कि दलित लड़की द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद भी अपराधियों को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

भाजपा नेता ने अपनी शिकायत में एनसीएससी से मामले की जांच करने और उसकी काउंसलिंग करने का अनुरोध किया, और यह भी कहा कि विधायक के परिवार अपने राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर लड़की को गुमराह कर सकता है।

# साई किशोर के गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन से तमिलनाडु की रेलवे पर बड़ी जीत

**कोयंबटूर।** कप्तान आर साई किशोर ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच में सात विकेट लिए जिससे तमिलनाडु ने रविवार को यहां तीसरे दिन ही रेलवे को पारी और 129 रन से करारी शिकस्त दी। तमिलनाडु के पहली पारी के 489 रन के जवाब में रेलवे ने सुबह अपनी पहली पारी दो विकेट पर 126 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसकी पूरी टीम 246 रन पर आउट हो गई।

तमिलनाडु की तरफ से संदीप वारियर और बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर ने तीन-तीन विकेट लिए। रेलवे के लिए प्रथम सिंह ने 92 रन बनाए। रेलवे की टीम इसके बाद फॉलोआन करते हुए दूसरी पारी में केवल 114 रन ही बना पाई। प्रथम ने फिर से उसकी तरफ से सर्वाधिक 29 रन बनाए। तमिलनाडु के लिए साई किशोर और बाएं हाथ के स्पिनर अजीत राम ने चार-चार विकेट लिए। ग्रुप सी के मैसूर में खेले जा रहे मैच में मयंक अग्रवाल (114), देवदत्त पडिक्कल (103) और निकिन जोस (107) के शतकों की मदद से कर्नाटक ने गोवा के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। कर्नाटक ने पहली पारी चार विकेट पर 251 रन से आगे बढ़ाई और नौ विकेट पर 498 रन बनाकर 177 रन की बढ़त हासिल की। गोवा की तरफ से दर्शन मिसाल ने 6 विकेट लिए। गोवा ने तीसरे दिन का खेल समाप्त तक दूसरी पारी में एक विकेट पर 93 रन बनाए थे और इस तरह से वह अभी 84 रन पीछे है। कृष्णमूर्ति सिद्धार्थ 57 रन बनाकर खेल रहे हैं। ग्रुप सी में चंडीगढ़ और गुजरात के बीच चंडीगढ़ में जबकि पंजाब और त्रिपुरा के बीच मोहाली में खेले जा रहे मैचों में खराब रोशनी के कारण तीसरे दिन का खेल नहीं हो पाया।

# अंतरिम बजट भाजपा की मंशा को दर्शाएगा : एक्सपर्ट

**चेन्नई।** आनंद राठी शेयर्स के एक शीर्ष अर्थशास्त्री ने कहा है कि पिछले 10 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट विकास और सामाजिक कल्याण के बीच संतुलन बनाने वाला रहा है।

मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक सुजान हाजरा ने बताया, पिछले पांच वर्षों में बजट का फोकस क्षेत्र भारत को आत्मनिर्भर बनाना और प्रमुख महत्वपूर्ण क्षेत्रों के संबंध में अन्य देशों पर निर्भरता कम करना रहा है। इसके लिए विनिर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है। उनके अनुसार, मोदी शासन के पिछले 10 वर्षों में, केंद्रीय बजट ने सामाजिक कल्याण योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया है, किसानों, समाज के गरीब वर्गों, महिलाओं और बाल कल्याण योजनाओं को पूरे बजट में अपग्रेड प्राप्त हुआ है। हाजरा ने कहा, दूसरी ओर बुनियादी ढांचे में निवेश और व्यापार करने में आसानी और वांछित परिणामों के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी कार्यान्वयन मुख्य फोकस रहा। समाज के एक बड़े वर्ग की जरूरतों को पूरा करना और साथ ही दूरदर्शी विचारों के साथ विकास पर ध्यान केंद्रित करना मोदी बजट की पहचान रही है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के आगामी 10वें बजट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हालांकि यह एक अंतरिम बजट होगा और वित्त वर्ष 2025 का पूर्ण बजट आम चुनावों के बाद नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद ही पेश किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सत्ता में लौटने पर भाजपा के इरादे को दोहराता है। हाजरा ने कहा, अंतरिम बजट 2019

से शुरू होने वाला वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा पेश किया जाने वाला छठा बजट होगा। वित्त मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान भारत ने कई चुनौतियों का सामना किया और कोविड-19 महामारी के बीच निरंतर सुधार देखे गए। हाजरा ने कहा, बजट में पूंजीगत व्यय पर अपना भार जारी रखने की उम्मीद है। चूंकि भारत चीन प्लस 1 अवसर का लाभ उठाने के लिए सबसे लाभप्रद स्थिति में प्रतीत होता है, जो कॉरपोरेट्स इरादा रखते हैं, भारत से देश में बुनियादी ढांचे की स्थिति में सुधार होने और इस प्रकार निवेश आकर्षित करने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, चूंकि मजबूत आर्थिक प्रदर्शन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के उच्च संग्रह के कारण आयकर और राजस्व संग्रह में वृद्धि मजबूत बनी हुई है, इसलिए सरकार को टैक्स स्लैब के स्तर को बढ़ाने के लिए जगह मिल सकती है। उनके अनुसार, नई कर व्यवस्था को बचत को हतोत्साहित करने वाले के रूप में देखा जाता है। पुरानी कर व्यवस्था में उपलब्ध निवेश उन लोगों पर लागू नहीं होते जिन्होंने नई कर व्यवस्था का विकल्प चुना है। बचत को प्रोत्साहित करने और नई कर व्यवस्था को आकर्षक बनाने के लिए कुछ बचत और भुगतान में कटौती की अनुमति दी जा सकती है। हाजरा ने कहा, पिछले पांच वर्षों को देखते हुए, केंद्रीय बजट भारत को आत्मनिर्भर बनाने और प्रमुख महत्वपूर्ण क्षेत्रों के संबंध में अन्य देशों पर निर्भरता कम करने पर केंद्रित था। इसके लिए विनिर्माण पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है। वर्ष 2019 में मौजूदा कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट टैक्स में 22 प्रतिशत और विनिर्माण फर्मों के लिए 15 प्रतिशत की कटौती एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। उसके बाद, अधिकांश उपाय व्यवसाय करने में आसानी की दिशा में लागू किए गए हैं। इसके अलावा महामारी के बाद विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की गईं। भारत मोबाइल फोन उपकरणों का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता और एक संभावित सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में उभरा है।

# रामसेतु निर्माण से विकास को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को बालोतरा में रेलवे ओवरब्रिज 'रामसेतु' का लोकार्पण किया। यह ओवरब्रिज राष्ट्रीय राजमार्ग-112 जोधपुर-बाड़मेर रेलवे सेक्शन पर 102 करोड़ रुपए की लागत से 2 कि.मी लम्बाई में 2 लेन का बना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री निवास से समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने समारोह में जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सेतु निर्माण से राज्य के विकास को गति मिलेगी। बालोतरा में लेवल क्रॉसिंग पर यातायात जाम और शहर के बीच से गुजरने वाले भारी वाहनों से संभावित दुर्घटनाओं से निजात मिलेगी। आमजन के लिए रेलवे स्टेशन तक पहुंचने की राह आसान होगी और समय बचेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेतु निर्माण से जसोल धाम, नाकोड़ा एवं ब्रह्मधाम यात्रा जैसे धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम होगा। उन्होंने कहा कि इस आर.ओ.बी. कार्य के साथ 2 अंडरपास भी तैयार हुए हैं। इससे शहर का यातायात भी सुगम होगा। स्थानीय उद्योगों की स्थिति सुदृढ़ होगी, जिससे क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़क तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न स्वीकृतियां समयबद्ध जारी करेगी। साथ ही, विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने प्रदेश को मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस-वे और जामनगर-अमृतसर एक्सप्रेस-वे के साथ रिंग रोड, पुलों, आर.ओ.बी. की सौगातें दी हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने अपनी प्रगतिशील सोच और नवाचारों से देष के राजमार्गों की तस्वीर बदल दी है। इससे राजस्थान का राजमार्ग तंत्र भी मजबूत हुआ है।

समारोह में केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि अब प्रदेश का चहुंमुखी विकास होने लगा है। राजमार्गों के सुदृढ़ीकरण से प्रदेश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। वीसी से जुड़ी उपमुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि आरओबी, हाईवे, एक्सप्रेस-वे सहित विभिन्न सड़कों के निर्माण से गांव-ढाणी शहरों से जुड़ रहे हैं। इससे किसानों, व्यापारियों, पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को आने-जाने में आसानी होगी। राजस्थान में अब विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं।

इस अवसर पर उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, विधायक हमीर सिंह भायल, अरूण कुमार, पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी, बालोतरा सभापति श्रीमती सुमित्रा जैन, पीडब्ल्यूडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

# भगवा झंडे लगाने को लेकर जोधपुर के गांव में तनाव

जोधपुर। राजस्थान में जोधपुर के नंदवान गांव में उस समय तनाव उत्पन्न हो गया जब कुछ लोगों ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले एक समूह द्वारा गांव के खंभों पर भगवा झंडे लगाए जाने पर आपत्ति की। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) चंचल मिश्रा ने कहा कि मामले के सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी गई है और वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, विवाद तब उत्पन्न हुआ जब कथित तौर पर कुछ हिंदू संगठनों से जुड़ा एक समूह 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले गांव के खंभों पर भगवा झंडे लगा रहा था। उन्होंने कहा कि जब वे एक खास खंभे पर झंडे लगा रहे थे तो सामने के घरों से आए एक विशेष समुदाय के तीन-चार लोगों ने उन्हें ऐसा करने से रोका। पुलिस ने कहा, झंडे नहीं लगाने देने को लेकर दोनों समूहों के बीच बहस हुई और एक समूह के लोगों ने दूसरे समूह के एक युवक की पिटाई कर दी। घटना के तुरंत बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने नारेबाजी की।

# दीया कुमारी ने किया दो टंकियों का शिलान्यास, लगभग एक लाख लोगों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बरसों से पीने की पानी की समस्या से जूझ रहे जयपुर के विद्याधर नगर इलाक़े में अब बीसलपुर-पृथ्वीराज नगर पेयजल योजना के अन्तर्गत पानी की टंकियों के निर्माण तेजी से शुरू किये जा रहे है। रविवार को उपमुख्यमंत्री और विद्याधर नगर क्षेत्र से विधायक दीया कुमारी ने वार्ड न 6 की बृज कॉलोनी और वार्ड न 12 की निर्मल विहार कॉलोनी में पानी की टंकियों का विधिवत शिलान्यास किया। इन पानी की टंकियों का निर्माण बीसलपुर-पृथ्वीराज नगर पेयजल योजना के तहत किया जा रहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि हमने बिजली, सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएँ जनता को उपलब्ध करवाने का वादा किया था और अब सरकार के बनते ही उस पर अमल शुरू हो चुका है।

दीया कुमारी ने कहा कि आम जनता को पीने की पानी की सप्लाई में तकनीकी ख़राबी के चलते परेशानी का सामना नही करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। बृज कॉलोनी स्थित जलाशय की क्षमता 22.50 लाख लीटर है और आने वाले समय में लगभग 42 हजार की आबादी इससे लाभांवित होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए जलदाय विभाग लगभग 61 किलोमीटर की नयी पाईप लाइन बिछा रहा है। यह कार्य अगस्त 2025 तक पूरा होने का अनुमान है।

इस टंकी से वार्ड नम्बर 6 की शास्त्री उपवन कॉलोनी, रिचा कॉलोनी, रेजीडेन्सी कॉलोनी, रत्नू फॉर्म कॉलोनी, स्वास्तिक कॉलोनी, शिवानी वेदान्ता कॉलोनी, शिवा नगर, सीताराम पुरी, रमन विहार, गोविन्द नगर -13, हनुमान नगर, बृज कॉलोनी, बालाजी विहार, भगवान नगर, गणेश नगर, ईश्वर नगर कॉलोनी सहित और भी बहुत सी कॉलोनियां लाभावित होगी। निर्मल विहार में बन रहे जलाशय की क्षमता भी 22.50 लाख लीटर है और इस प्रोजेक्ट के पूरे होने पर लगभग 45 हजार की आबादी लाभांवित होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए लगभग 88 किलोमीटर की नयी पाइप लाईन बिछाई जायेगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि मेरा यह प्रयास है कि विद्याधर नगर में आगामी गर्मी के मौसम में पानी की समस्या न आए और सबको आवश्यकतानुसार पानी मिल सके उसी कड़ी में यह टंकी निर्माण एक शुरूआत है।

# खेती के उपयोग में गुणवत्ता को आश्वस्त करने में कृषि विश्वविद्यालयों की बड़ी भूमिका : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चंद बैरवा ने खेती के उपयोग में आदान एवं गुणवत्ता को आश्वस्त करने में कृषि विश्वविद्यालयों की बड़ी भूमिका बताते हुए कहा है कि कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर अनुसंधान क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। डा बैरवा ने रविवार को कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में आयोजित किसान मेले का उद्घाटन किया और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश होने के कारण हम किसान के बिना अपने अस्तित्व की कल्पना भी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि राजस्थान के आर्थिक विकास में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र को वर्तमान में कई चुनौतियों सीमित संसाधन जलवायु परिवर्तन ,घटती जोतें, बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण आदि का सामना करना पड़ रहा है।

डॉ बैरवा ने बताया कि खेती के उपयोग में आदान एवं गुणवत्ता को आश्वस्त करने में कृषि विश्वविद्यालयों की भी बड़ी भूमिका है तथा विश्वविद्यालय वर्षा के पानी को संरक्षित करने में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय में होने वाले अनुसंधान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि यह विश्वविद्यालय अनुसंधान क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की 175 से भी अधिक नवीन किस्में एवं पांच सौ से भी अधिक कृषि तकनीके विकसित की है जिसका लाभ हमारे प्रदेश के किसान ही नही अपितु पडोसी राज्यों के किसान भी उठा रहे है। उन्होंने इस पर भी प्रसन्नता जताई कि कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत प्रसार निदेशालय तथा कृषि विज्ञान केंद्र इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को इन कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा आयोजित गतिविधियों का प्रत्यक्ष लाभ हुआ है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा की जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय प्रसार ,अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के तहत 14 संगठित महाविधालय व आठ कृषि विज्ञान केंद्र हैं । कृषि क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय का 15 जिलों में कार्यक्षेत्र हैं। जोबनेर महाविद्यालय में आईसीएआर के एआईसीआरपी परियोजना के तहत तिलहनी फसलों , बिजीय मसालों व शुष्क क्षेत्र में होने वाले फलों पर अनुसंधान चल रहा है । वहीं विश्वविद्यालय के रारी दुर्गापुरा के अंतर्गत गेहूं , जौं, मुंगफली, बाजरा ,चना , मूंग, उड़द,मटर ,शुष्क क्षेत्रीय दलहनी फसलें ,सब्जियां , मसालों पर अनुसंधान कार्य चल रहा है। कार्यक्रम के अंत में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुदेश कुमार ने कहा कि इस मेले के माध्यम से राजस्थान एवं पड़ोसी राज्यों के 15 हजार से ज्यादा किसान लाभान्वित होंगे ।

# मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा प्राकृतिक और जनजातीय परंपराओं की धरोहर राज्य : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा राज्यों के स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्वोत्तर के यह तीनों राज्य प्राकृतिक सौंदर्य के साथ ही जनजातीय भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर है श्र राजभवन में रविवार को मणिपुर मेघालय और त्रिपुरा राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान मिश्र ने इन राज्यों के निवासियों से अनौपचारिक संवाद भी किया। उन्होंने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा की पारंपरिक लोक संस्कृति और जनजातीय परंपराओं की चर्चा करते हुए इन राज्यों के विकास और एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत पुनर्गठन अधिनियम के तहत 21 जनवरी 1972 को इन तीनों राज्यों का उदय हुआ। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और पहाड़ियों से घिरे इन प्रदेशों के लोग भारत की जनजातीय संस्कृति को अभी भी बचाए हुएं हैं। उन्होंने भारत की संविधान संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी हमें जागरूक रहना चाहिए।

# राजस्थान के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा

जयपुर। राजस्थान के कई स्थानों पर रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और शीत लहर का दौर जारी रहा। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार सीकर के फतेहपुर में एक डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि अलवर, पिलानी, सीकर और करौली में न्यूनतम तापमान 3-3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह चुरू में न्यूनतम तापमान चार डिग्री, अंता में 4.2 डिग्री, धौलपुर में 4.4 डिग्री, भीलवाड़ा में 4.6 डिग्री, वनस्थली में 4.9 डिग्री, सिरोही में 5.9 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वही राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने राज्य में शीतलहर और कोहरे का प्रभाव 24 जनवरी तक जारी रहने का अनुमान जताया है।

# 'राम ही सुर' सामूहिक श्रीराम भजन गायन प्रतियोगिता संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को भव्य बनाने के लिये जवाहर कला केन्द्र में आयोजित 'राम ही सुर' सामूहिक श्रीराम भजन गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है तथा उससे पहले आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की परफॉर्मेंस मन आनंदित कर देती है। इस अवसर पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि लगभग 500 साल बाद अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने कहा कि हमारे जयपुर में, हमारे घर में और हमारे कण-कण में भगवान राम विराजे है। हम भगवान श्रीराम जी के आदर्शों एवं दिखाये गये रास्ते पर चलेंगे तो निश्चित ही हमारा राजस्थान अग्रणी राजस्थान होगा। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राजस्थान यूनिर्वसिटी, द्वितीय परिष्कार कॉलेज मानसरोवर एवं तृतीय पुरस्कार महारानी कॉलेज को दिया गया। इस भजन गायन प्रतियोगिता में राम ही सुर सामूहिक श्रीराम भजन गायन प्रतियोगिता में राजधानी जयपुर के प्रसिद्ध 18 विश्वविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया।

# मादक पदार्थ गिरोह का सरगना गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान में गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र में 'एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स' ने शनिवार को एक मादक पदार्थ गिरोह के सरगना को गिरफ्तार कर उसके घर से एक क्विंटल 21 किलो 600 ग्राम गांजा, 588 ग्राम अफीम, 900 ग्राम डोडा पोस्त और 1,52260 रुपये नकद बरामद किये। पुलिस द्वारा जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ 21 लाख रुपए आंकी गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स) दिनेश एम एन ने रविवार को बताया कि 'टास्क फोर्स' की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ गिरोह के सरगना रतन सिंह धाकड़ को गिरफ्तार कर उसके घर से एक क्विंटल 21 किलो 600 ग्राम गांजा, 588 ग्राम अफीम, 900 ग्राम डोडा पोस्त और 1,52260 रुपये नगद बरामद किये।

उन्होंने बताया कि शनिवार को टीम ने रतन सिंह के मकान पर दबिश दी और मौके से उसे गिरफ्तार किया। उनके अनुसार आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

# राजस्थान उच्च न्यायालय ने नाबालिग बलात्कार पीड़िता की गर्भावस्था समाप्त करने की याचिका खारिज कर दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने 11 वर्षीय बलात्कार पीड़िता की 31 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि पूर्ण विकसित भ्रूण को भी जीवन का अधिकार है और वह बिना किसी परेशानी के स्वस्थ जीवन जी सकता है। अदालत ने कहा कि इस अवस्था में गर्भावस्था को समाप्त करने के किसी भी प्रयास से समय से पहले प्रसव होने की संभावना है और यह अजन्मे बच्चे के विकास को प्रभावित कर सकता है।

पीड़िता के साथ उसके पिता ने कथित तौर पर बलात्कार किया था और उसने अपने मामा के माध्यम से याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि लड़की ऐसे बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती क्योंकि यह उस पर हुए अत्याचारों की लगातार याद दिलाता रहेगा जो उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होगा। न्यायमूर्ति अनूप कुमार ढांड की पीठ ने बुधवार को दिये आदेश में कहा कि अदालत आने में पीडिता की देरी ने गर्भावस्था को समाप्त करने के पहलू को और चिंताजनक कर दिया है।

रिकॉर्ड पर ऐसी कोई सामग्री उपलब्ध नहीं है जिसके आधार पर यह अदालत मेडिकल बोर्ड द्वारा व्यक्त की गई राय से अलय राय व्यक्त कर सके। अदालत के आदेश में कहा गया कि मेडिकल बोर्ड की राय है कि इतने उन्नत चरण में गर्भपात से पीड़ित के जीवन को खतरा हो सकता है। अदालत ने कहा कि इस उन्नत चरण में गर्भावस्था को समाप्त करने के किसी भी प्रयास से समय से पहले प्रसव होने की संभावना है और यह अजन्मे बच्चे के विकास को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने कहा कि पूरी तरह से विकसित भ्रूण को भी भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत इस दुनिया में प्रवेश करने और बिना किसी परेशानी के स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार है।

पीड़िता के वकील फतेह चंद सैनी ने कहा कि उसके मामा ने बच्ची के पिता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और बच्चों का यौन आपराध से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वकील ने कहा कि पीड़िता का पिता शराबी है जबकि उसकी मां मानसिक रूप से विक्षिप्त है। याचिका के अनुसार, लड़की के पिता ने इस महीने की शुरुआत में बेटी को उसके मामा के घर छोड़ दिया था। इस संबंध में जयपुर ग्रामीण के शाहपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया है। सैनी ने बताया कि लड़की की मेडिकल जांच मेडिकल बोर्ड से कराई गई जिसकी रिपोर्ट 17 जनवरी को अदालत में पेश की गई। मेडिकल बोर्ड ने कहा कि लड़की की उम्र, वजन (34.2 किलोग्राम) और उसके 'लिवर फंक्शन टेस्ट' की खराब रिपोर्ट को देखते हुए वह अपनी गर्भावस्था के संबंध में उच्च जोखिम की स्थिति में है। अदालत ने वर्ष 2023 में उच्चतम न्यायालय में पहुंचे 28 सप्ताह से गर्भस्थ महिला से जुड़े मामले के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के समक्ष पेश किय गये दो अन्य मामलों का भी हवाला दिया, जिनमें अदालत ने नाबालिग बलात्कार पीड़िताओं की गर्भावस्था को समाप्त करने की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इस अदालत के पास कोई एक अलग दृष्टिकोण अपनाने के लिए वैध आधार नहीं है। मामले पर विचार करते हुए, अदालत ने कहा कि लड़की वयस्क होने तक बालिका गृह में रह सकती है और राज्य सरकार, पुलिस और स्वास्थ्य कर्मचारियों को लड़की की देखभाल करने का निर्देश भी जारी किया।

## विमोचन

जयपुर में रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास (ओटीएस) पर जनसुनवाई की। इस अवसर पर शर्मा ने सड़क सुरक्षा के पोस्टर और पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

## राम मंदिर अभिषेक पर राजकीय अवकाश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

**मुंबई/वार्ता।** बंबई उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को राजकीय अवकाश घोषित करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ दायर याचिका रविवार को खारिज कर दी। अयोध्या में समारोह से पहले याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की एक विशेष पीठ का गठन किया गया था। पीठ ने अपने आदेश में कहा,याचिका बाहरी कारणों से दायर की गई है और यह कानून की प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है।

पीठ ने कहा कि याचिका में राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसमें कहा गया,यह राजनीति से प्रेरित और प्रचार हित याचिका प्रतीत होती है। महाराष्ट्र सरकार ने 19 जनवरी को एक अधिसूचना जारी कर 22 जनवरी को राज्य अवकाश की घोषणा की है। कानून के छात्रों के एक समूह ने शनिवार को बॉम्बे हाई कोर्ट की रजिस्ट्री के समक्ष याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की थी। कानून के चार छात्रों, शिवांगी अग्रवाल, सत्यजीत साल्वे, वेदांत अग्रवाल और ख़ुशी बांगिया की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि आगामी संसदीय चुनावों को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का उद्देश्य सरकार का निर्णय 'राजनीतिक के लिए सत्ता का खुला दुरुपयोग' है। उन्होंने आठ मई, 1968 को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना को भी चुनौती दी, जिसमें राज्यों को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार दिया गया था। अंतरिम राहत के तौर पर उन्होंने अपनी याचिका पर सुनवाई होने तक 19 जनवरी की अधिसूचना पर रोक लगाने की मांग की थी। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करना हिंदू धर्म से जुड़ी एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है और इसलिए यह किसी भी तरह से सरकार की चिंता का विषय नहीं हो सकता है। याचिका में दलील दी गई है कि हिंदू मंदिर की प्रतिष्ठा का जश्न मनाने के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा सहित सरकार द्वारा उठाया गया कोई भी कदम, एक विशेष धर्म के साथ पहचान बनाने के अलावा और कुछ नहीं है।

# विभिन्न तीर्थों के पवित्र जल से श्रीरामलला की प्रतिमा का हुआ स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या/वार्ता।** भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या पर भव्य श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के छठे दिन रविवार को 114 कलशों में औषधियुक्त जल एवं देश के विभिन्न तीर्थों से लाये पवित्र जल से श्रीरामलला की मूर्ति का स्नान सम्पन्न हुआ।

काशी से आये रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान करा रहे अरुण कुमार दीक्षित ने बताया कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान सुबह नौ बजे से शुरू हुआ। 114 कलशों में औषधि युक्त जल एवं देश के विविध तीर्थों से लाये पवित्र जल से श्रीरामलला की मूर्ति पर देश भर से यहां पधारे 121 प्रकांड विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्नान सम्पन्न कराया। आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित, अरुण कुमार दीक्षित, सुनील कुमार दीक्षित, अशोक वैदिक, राजेन्द्र वैदिक के अलावा देश के विभिन्न प्रांतों से जैसे महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के 121 पंडितों ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में 114 कलशों में औषधियुक्त जल एवं देश के विविध तीर्थों से लाये गये विविध तीर्थों से श्रीरामलला की मूर्ति पर स्नान मंत्रोच्चार द्वारा कराया गया। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में नित्य पूजन के बाद हवन, पारायण प्रात: मध्याधिवास, 114 कलशों के विविध औषधियुक्त जल से मूर्ति स्नान, महापूजा, उत्सव का प्रसाद, परिक्रमा, शैलाधिवास, तत्वन्यास, महान्यासादि, सात्विक पौष्टिक, अघोर व्याहृति जागरण जैसे सम्पन्न हुए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में नित्य के पूजन-हवन और परायण के साथ आज की पूजा प्रक्रिया प्रारम्भ हुई जो शाम को आरती के बाद संपन्न हुयी। श्रीरामलला के विग्रह को आज मध्याधिवास में रखा गया है। आज रात जागरण अधिवास भी शुरू होगा। श्रीरामलला के पुराने विग्रह की भी पूजा यज्ञशाला में चल रही है। चेन्नई, पुणे सहित कई स्थलों से मंगाये गये विविध फूलों से पूजन का अनुष्ठान सम्पन्न कराया जा रहा है। आज की पूजा में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से डा. अनिल मिश्रा सपरिवार, विहिप के अध्यक्ष डा. आर.एन. सिंह एवं अन्य लोग पूजा अनुष्ठान सम्पन्न करा रहे हैं।

## विष्णुपद मंदिर एक धार्मिक सार्वजनिक ट्रस्ट है, न कि गयावाल ब्राह्मणों की निजी संपत्ति : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** पटना उच्च न्यायालय ने कहा है कि बिहार के गया में स्थित भगवान विष्णु को समर्पित प्राचीन हिंदू मंदिर विष्णुपद मंदिर एक धार्मिक सार्वजनिक ट्रस्ट है, न कि स्थानीय गयावाल ब्राह्मणों के वंशजों की नीजि संपत्ति, जो स्थानीय पुजारी हैं। पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुनील दत्त मिश्रा की एकल पीठ ने गयावाल पंडों के एक समूह की ओर से दायर दूसरी अपील को शुक्रवार को खारिज कर दिया।

अदालत ने कहा, तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से मंदिर की उत्पत्ति और पूजा के संबंध में श्रद्धालुओं द्वारा प्रयोग किए जाने वाले अधिकार, प्रकृति और जनता द्वारा दिए गए उपहार-योगदान की सीमा और निर्धारित आदेश के अनुसार, इसमें संदेह नहीं कि विष्णुपद मंदिर गयावाल ब्राह्मणों की निजी संपत्ति नहीं बल्कि एक धार्मिक सार्वजनिक ट्रस्ट है। कानूनी प्रतिनिधियों के माध्यम से एम सिद्दीक (मृत) बनाम महंत सुरेश दास व अन्य (अयोध्या फैसला के नाम से चर्चित) के मामले में उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ के फैसले का हवाला देते हुए खंडपीठ ने माना कि हिंदू अनुयायियों की आस्था उनके प्राचीन धर्मग्रंथों पर आधारित है और गया क्षेत्र (विष्णुपद) जाने तथा पूर्वजों के मोक्ष के लिए तर्पण करने की उनकी सदियों पुरानी प्रथा से इसकी पुष्टि होती है, जो इस तथ्य का प्रमाण है कि बड़े पैमाने पर आम जनता विष्णुपद मंदिर के लाभार्थी हैं।

## रामलला के घर में कान्हा का स्तुतिगान करता कृष्ण वेशधारी बांसुरीवादक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या (उप्र)/भाषा।** चमकीले रंगों से सजाधजा, सिर पर बड़ी पगड़ी और हाथोंपैरों को चांदी के आभूषणों से सजाए अपनी बांसुरी पर मधुर धुन बजाता एक व्यक्ति भगवान राम के घर अयोध्या में भगवान कृष्ण का स्तुतिगान कर बरबस ही सबका मन अपनी तरफ खींच रहा है।

यह उज्जैन के रहने वाले स्वामी अद्भुत हैं, जो पिछले 16 वर्षों से भगवान कृष्ण का वेश धारण किए हुए हैं। उनका कहना है कि वह पूरा दिन इसी वेशभूषा में रहते हैं। स्वामी अद्भुत ने कहा कि वह 22 जनवरी के अभिषेक समारोह में भगवान की दिव्य उपस्थिति को देखने के लिए अयोध्या में हैं। वह अपने नाम के ही अनुरूप अयोध्या में रहते हुए वह भगवान कृष्ण की एक छवि प्रदर्शित करते हैं और अपनी पायल झनकारते हुए लय बनाए रखते हुए अपनी बांसुरी बजाते हैं। अपनी मोहक उपस्थिति और संगीत में महारत के बलबूते स्वामी अद्भुत हर आनेजाने वाले को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। लता मंगेशकर चौक से लेकर नया घाट और गुप्तार घाट तक वह जहां भी जाते हैं, लोगों की भीड़ जुट जाती है और कई लोग उनके साथ सेल्फी लेने को लालायित नजर आते हैं। वह सबकी इस ख्वाहिश को पूरा करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं, वह अपने बारे में जानने की इच्छा रखने वाले हर व्यक्ति की इस उत्कंठा को भी शांत करते हैं।

## अयोध्या में मेहमानों को दिया जाएगा शुद्ध देशी घी से बना महाप्रसाद

**अयोध्या/वार्ता।** अयोध्या धाम में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने वाले वीआईपी मेहमानों के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से महाप्रसाद तैयार कराया गया है जो प्राण प्रतिष्ठा के बाद उन्हें भेंट किया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान मेहमानों को मंदिर परिसर में देश घी से तैयार भोजन भी परोसे जाने की तैयारी है। श्रीराम जन्भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मार्गदर्शन में गुजरात की भगवा सेना भारती गरवी गुजरात व सन्त सेवा संस्थान की ओर से महाप्रसाद तैयार किया जा रहा है, जिसे प्राण प्रतिष्ठा कार्यकम के बाद मेहमानों को वितरित किया जाएगा।

संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भाई रावल ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से उन्हें तीन दायित्व सौंपे गये हैं। इसके तहत उन्हें महाप्रसाद तैयार करने के साथ संतों के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। करीब 200 लोगों की टीम द्वारा 5 हजार किलो से अधिक सामग्री से महाप्रसाद को तैयार किया गया है। महाप्रसाद को शुद्ध देशी घी, बेसन, शक्कर और पंच मेवे से तैयार किया है। महाप्रसाद की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा है, जिसमें सभी सामग्रियों को खुद संस्थान की ओर से निर्मित किया गया। महाप्रसाद की किसी भी सामग्री को बाजार से रेडीमेड नहीं लिया गया है। उन्होंने बताया कि महाप्रसाद के 20 हजार से अधिक पैकेट को तैयार किया गया है। इस पैकेट में दो लड्डु, सरयू नदी का जल, अक्षत, सुपारी की थैली और कलावा होगा।

## नीतीश ने 500 बिस्तरों वाले श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**समस्तीपुर/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को समस्तीपुर जिले के सरायरंजन में 500 बिस्तरों वाले श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसजेएमसीएच) का उद्घाटन किया। भगवान राम और माता सीता के नाम पर बनाए नए इस सरकारी मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीट और ओपीडी सेवा के साथ 500 बिस्तरों वाला अस्पताल है।

यह मेडिकल कॉलेज 591 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बना है। इसके लिए भूमि श्रीराम जानकी ट्रस्ट द्वारा दान की गई थी। इस मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के उद्घाटन के बाद, मुख्यमंत्री ने राज्य स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और अस्पताल के कर्मियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नया अस्पताल क्षेत्र की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, इस अस्पताल के उद्घाटन से इस क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। यहां उन्नत तकनीक वाली सभी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा, इस अस्पताल की क्षमता जल्द ही बढ़ाकर 1,000 बिस्तरों तक कर दी जाएगी। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना में केंद्र ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य लोगों में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, बिहार के कई मंत्री और क्षेत्र के स्थानीय विधायक शामिल थे।

## फिरोजाबाद से अयोध्या के लिए विशेष प्रकार के कंगनों की दूसरी खेप रवाना

**फिरोजाबाद/वार्ता।** उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से अयोध्या के राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भगवान राम-सीता के चित्र वाले कांच के कंगनों की दूसरी खेप रविवार को रवाना की गयी। जिलाधिकारी डॉक्टर उज्ज्वल कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए तैयार किये गये विशेष कंगनों की खेप रवाना की गई। फिरोजाबाद के कांच व्यवसायी आनंद अग्रवाल द्वारा श्री भगवान राम मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर विशेष प्रकार के कंगन तैयार कर उनके ऊपर राम सीता की चित्रकारी कराई जो अपने में अदभुत है। विगत 17 जनवरी को 10हजार पैकेट एक राम रथ के द्वारा अयोध्या के लिए रवाना किए गए थे , जो 18 जनवरी को अयोध्या में मंदिर कमेटी को सौंप दिए गए। मंदिर ट्रस्ट कमेटी के अनुरोध पर दोबारा रविवार को राम के चित्र वाले कंगन की दूसरी के खेप रविवार को जिलाधिकारी ने अपनी उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना की है। इस अवसर पर उद्यमियों के अलावा अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

## 'असम सरकार लोगों को यात्रा में शामिल न होने की धमकी दे रही है, जनता भाजपा से डरने वाली नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**विश्वनाथ चरियाली (असम)/भाषा।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि असम की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार लोगों को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में शामिल होने के खिलाफ धमकी दे रही है और यात्रा मार्गों पर कार्यक्रमों की अनुमति देने से भी इनकार कर रही है।

राहुल ने विश्वनाथ जिला मुख्यालय विश्वनाथ चरियाली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लेकिन लोग भाजपा से डरते नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ भारी अंतर से जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा, हम यात्रा में लंबे भाषण नहीं देते हैं। हम हर दिन 7-8 घंटे यात्रा करते हैं, आपके मुद्दों को सुनते हैं और हमारा उद्देश्य इन मुद्दों को उठाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को यात्रा में शामिल होने के खिलाफ धमकी दी जा रही है और इसके मार्गों पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जा रही है,यहां तक कि राज्य में कांग्रेस के झंडे और बैनरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, वे (सरकार) सोचते हैं कि वे लोगों को दबा सकते हैं। लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं है कि यह राहुल गांधी की यात्रा नहीं है। यह लोगों की आवाज उठाने की यात्रा है।

यात्रा रविवार सुबह अरुणाचल प्रदेश से विश्वनाथ होते हुए असम में दोबारा प्रवेश कर गई। उन्होंने कहा, न तो राहुल गांधी और न ही असम के लोग आपसे डरते हैं। आप जो चाहें कर सकते हैं... जब चुनाव होंगे, तो कांग्रेस भाजपा को बड़े अंतर से हरा देगी।

गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए उन्हें ''देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' करार दिया।

### असम में कांग्रेस की न्याय यात्रा के सामने 'हर घंटे' आ रही बाधा: जयराम रमेश

**बिश्वनाथ चारियाली (असम)/भाषा।** कांग्रेस ने रविवार को पुन: आरोप लगाया कि हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के रास्ते में 'हर घंटे' बाधाएं उत्पन्न कर रही है। राज्य में यात्रा का आज चौथा दिन था। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'न्याय यात्रा' 18 से 25 जनवरी तक राज्य में रहेगी और इस दौरान 17 जिलों में 833 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी।

गांधी के साथ यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में रमेश ने कहा, समस्या यह है कि यहां के मुख्यमंत्री जब भी कांग्रेस और राहुल गांधी का नाम सुनते हैं तो अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं। मैं इसके बारे में और क्या कह सकता हूं। उन्होंने दावा किया कि शर्मा राज्य में यात्रा के पहले दिन से ही ''भयभीत'' हैं क्योंकि एक सरकारी समारोह में एकत्र हुईं महिलाएं कथित तौर पर गांधी का स्वागत करने के लिए आगे आईं और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। रमेश ने कहा, तब से, वह परेशान हैं और समस्याएं पैदा करने के लिए कोई न कोई बहाना ढूंढ़ लेते हैं।

## ओडिशा के कला शिक्षक ने बनाई राम मंदिर की प्रतिकृति

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा के शिक्षक और कलाकार ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अयोध्या के मंदिर की साढ़े पांच इंच लंबी प्रतिकृति बनाई है। कलाकार ईश्वर राव ने कागज, माचिस की तीली और चॉक से यह प्रतिकृति बनाई है। राव ने कहा, यह मॉडल साढ़े पांच इंच ऊंचा और ढाई इंच चौड़ा है। मंदिर के सामने भगवान हनुमान की एक इंच लंबी आकृति भी है। यह आकृति चॉक से बनाई गई है। हनुमान के भक्त राव को यह प्रतिकृति बनाने में सात दिन लगे। उन्होंने कहा ये सात दिन मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिन थे क्योंकि मैंने मंदिर बनाते समय भगवान श्री राम से प्रार्थना की थी। उन्होंने विश्व कप टूर्नामेंट, गणेश पूजा और क्रिसमस जैसे विभिन्न अवसरों की प्रतिकृति बनाई है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उनके काम की सराहना की। राव ने कहा, अगर मुझे इसे मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को दिखाने का मौका मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी।

## आठ महीनों से 'सुलग' रहा है मणिपुर, प्रधानमंत्री अब तक वहां नहीं गए हैं : ओ'ब्रायन

**नई दिल्ली/भाषा।** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने रविवार को कहा कि मणिपुर आठ महीने से अधिक समय से 'सुलग रहा' है लेकिन प्रधानमंत्री अब तक वहां नहीं गए हैं। ब्रायन ने मणिपुर की स्थापना दिवस के मौके पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह टिप्पणी की और एक वीडियो भी सोशल मीडिया मंच पर साझा किया जिसमें उन्होंने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाया था। टीएमसी के राज्यसभा सदस्य ने कहा, 21 जनवरी मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा का स्थापना दिवस है। मणिपुर आठ महीने से अधिक समय से सुलग रहा है। प्रधानमंत्री ने अब तक राज्य का दौरा करने की जहमत नहीं उठाई।

## अंतिम छोर के लोगों को न्याय देना सुनिश्चित कर रही है सरकार : मुख्यमंत्री मणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अगरतला/भाषा।** त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को कहा कि त्रिपुरा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि अंतिम छोर तक के लोगों को न्याय मिले।

मुख्यमंत्री ने राज्य दिवस कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को 'राम राज्य' की तरह चलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें अंतिम छोर के लोगों को भी न्याय मिलता है और उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का स्थान मिलता है। हम भी राज्य चलाने के लिए उनका अनुसरण करने की कोशिश कर रहे हैं। साहा ने कहा कि सरकार ने केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए पहले से ही एक सुशासन कार्यक्रम शुरू किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी छूटे ना। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री मोदी के हाथ मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि इसका अर्थ देश और राज्यों को मजबूत करना है।

# प्रशांत किशोर का संगठन 2025 बिहार विधानसभा चुनावों में 75 ईबीसी उम्मीदवारों का समर्थन करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर ने शनिवार को कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में उनके संगठन 'जन सुराज' के समर्थन से अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) श्रेणी के कम से कम 75 लोगों को मैदान में उतारा जाएगा।

किशोर ने समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर की जयंती से पूर्व इस सिलसिले में यहां आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में ईबीसी से संबंधित कम से कम 75 लोगों को एक ही मंच से मैदान में उतारा जाएगा।

किशोर ने जन सुराज के एक राजनीतिक दल में परिवर्तन के संबंध में हालांकि कोई घोषणा नहीं की लेकिन कहा, ''2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार आप ईबीसी वर्ग के कम से कम 75 लोगों को एक मंच से चुनाव लड़ते देखेंगे। हम उन्हें चुनाव लड़ने के लिए तैयार करेंगे। हम (जन सुराज) अपनी पूरी ताकत उनके पीछे लगा देंगे। किशोर ने आरोप लगाया, इस समुदाय के लोगों का राज्य में सत्तारूढ़ दलों द्वारा हमेशा शोषण किया गया है। बिहार में राजनीतिक दलों ने कभी भी उनकी बेहतरी और उत्थान के बारे में नहीं सोचा। बेहतर शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, किशोर ने कहा, जन सुराज इस वर्ग के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सभी वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा। हर साल जन सुराज इस उद्देश्य के लिए कम से कम 500 ईबीसी विद्यार्थियों (प्रत्येक जिले से कम से कम 10 से 15) का चयन करेगा और उन्हें सभी सहायता प्रदान करेगा।

बिहार सरकार ने अक्टूबर 2023 में जाति आधारित सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किए थे। इस सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या 13,07,25,310 में से 63 प्रतिशत लोग अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) श्रेणी से हैं। सर्वेक्षण के आंकड़ों से पता चला कि राज्य की आबादी में अनुसूचित जाति की आबादी 19 प्रतिशत से अधिक है जबकि एक प्रतिशत लोग अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आते हैं। सर्वेक्षण से पता चला कि ओबीसी में यादव जनसंख्या के मामले में सबसे बड़ी जाति है जो कुल आबादी का 14.27 प्रतिशत है। इसके बाद दुसाध (5.31 प्रतिशत) और चमार (5.25 प्रतिशत) हैं। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समुदाय से हैं।

केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान दुसाध (दलित) जाति से हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि कुर्मियों की कुल संख्या कुल जनसंख्या का 2.87 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसी जाति से आते हैं।

## इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल' है : गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

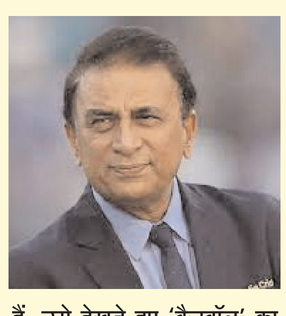

**नई दिल्ली/भाषा।** महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट शृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है।

इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है। गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, विराट कोहली जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल' मौजूद है। कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ने से महज 152 रन दूर हैं। वह इस आगामी शृंखला में भारत की मुख्य कड़ी होंगे। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। गावस्कर ने कहा, हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक समान ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में तब्दील करने की गति काफी अच्छी है। उन्होंने कहा, इंग्लैंड ने पिछले एक दो साल में टेस्ट क्रिकेट में नया रवैया (बैजबॉल) अपनाया है। यह काफी आक्रामक रवैया है जिसमें बल्लेबाज हमेशाा तेजी से रन जुटाने की कोशिश करता है। परिस्थितियां भले ही कैसी भी हों, वे हमेशा आक्रामक क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय स्पिनरों के खिलाफ यह रवैया कारगर होता है या नहीं।

## सुविचार

**किसी दिन, जब आपके सामने कोई समस्या ना आए आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि आप गलत मार्ग पर चल रहे हैं।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# उठें, स्वागत करें!

प्रभु श्रीराम आ गए हैं! उठें, स्वागत करें, हमारे आराध्य सबको दर्शन देने के लिए अपने धाम आ गए हैं! रामभक्तों के सदियों के संघर्ष, त्याग और अनेक बलिदानों के बाद यह दिन आया है, जिसकी प्रतीक्षा समस्त रामभक्तों को और न्यायप्रेमियों को थी। आज का दिन इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। यह भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का दिन है। यह न्याय एवं सत्य की विजय का भी दिन है। लगभग 500 साल पहले जब एक विदेशी आक्रांता के सिपहसालार ने यहां तत्कालीन मंदिर को ध्वस्त करते हुए भारत की आस्था पर चोट कर सामाजिक विघटन के बीज बोने के प्रयास किए थे, उस दिन आंखों में आंसू लिए रामभक्तों ने कहा होगा– 'वह दिन आएगा, अवश्य आएगा, जब यहां पुनः भव्य मंदिर का निर्माण होगा, जिसमें रामलला विराजमान होंगे और सबको दर्शन देंगे।' आज उन रामभक्तों के वंशज देख रहे हैं ... हम सब देख रहे हैं ... रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। आज पूरा विश्व इस मंदिर के कपाट की ओर टकटकी लगाए देख रहा है। गोस्वामी तुलसीदासजी ने श्रीरामचरितमानस में प्रभु श्रीराम द्वारा लंका–विजय के बाद अयोध्या आगमन का जो दृश्य बताया, वह आज पुनः साकार हो रहा है – 'अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल सोभा के खानी।। बहइ सुहावन त्रिबिध समीरा। भइ सरजू अति निर्मल नीरा।।' अर्थात 'प्रभु श्रीराम को आते जानकर अवधपुरी संपूर्ण शोभाओं की खान हो गई। तीनों प्रकार की सुंदर वायु बहने लगीं। सरयूजी अति निर्मल जलवाली हो गईं।' 'प्रभु बिलोकि हरषे पुरबासी। जनित बियोग बिपति सब नासी।। प्रेमातुर सब लोग निहारी। कौतुक कीन्ह कृपाल खरारी।।' अर्थात 'प्रभु श्रीराम को देखकर सब अयोध्यावासी हर्षित हुए। वियोग से उत्पन्न सब दुःख नष्ट हो गए। सब लोगों को प्रेमविह्वल और मिलने के लिए अत्यंत आतुर देखकर खर के शत्रु कृपालु श्रीरामजी ने एक चमत्कार किया।' वह चमत्कार आज फिर हो रहा है! लेकिन कैसे? तुलसीदासजी द्वारा रचित इन पंक्तियों को आज हम पुनः अक्षरशः साकार होते देख रहे हैं।

'अमित रूप प्रगटे तेहि काला। जथा जोग मिले सबहि कृपाला।। कृपादृष्टि रघुबीर बिलोकी। किए सकल नर नारि बिसोकी।।' अर्थात 'उसी समय कृपालु श्रीरामजी असंख्य रूपों में प्रकट हो गए और सबसे (एक ही साथ) यथायोग्य मिले। श्रीरघुवीर ने कृपा की दृष्टि से देखकर सब नर–नारियों को शोक से रहित कर दिया।' आज जब मंदिर का उद्घाटन होगा तो देश–दुनिया में लोग इंटरनेट के जरिए भी यह कार्यक्रम देखेंगे, भगवान के दर्शन करेंगे। क्या ही शुभ संयोग है कि इस तरह श्रीराम एक ही क्षण में असंख्य रूपों में प्रकट होंगे और सबसे मिलेंगे! 'छन महिं सबहि मिले भगवाना। उमा मरम यह काहुँ न जाना।। एहि बिधि सबहि सुखी करि रामा। आगें चले सील गुन धामा।।' अर्थात 'भगवान क्षणमात्र में सबसे मिल लिए। हे उमा! यह रहस्य किसी ने नहीं जाना। इस प्रकार शील और गुणों के धाम श्रीरामजी सबको सुखी करके आगे बढ़े।' निस्संदेह आज कलियुग है, लेकिन श्रीराम अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते। वे आज विज्ञान की दिव्य शक्ति से अपने भक्तों के सामने क्षणमात्र में प्रकट हो जाएंगे! युग बदला है, इसलिए माध्यम ज़रूर बदल गए। श्रीराम मंदिर आंदोलन प्रारंभ होने से लेकर अदालती दलीलों, सबूतों, फैसलों और प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम तक ऐसे असंख्य प्रसंग हैं, जो युगों–युगों तक सबको प्रेरणा देते रहेंगे। जिस ज़माने में हम पर विदेशी आक्रांता काबिज थे, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कड़ा प्रतिबंध था, सूचना के (इतने विकसित) साधन नहीं थे, किसी–न–किसी बहाने से हमारी सांस्कृतिक चेतना पर आघात हो रहे थे, हुक्मरानों की क्रूरता और दमनकारी नीतियों के कई तूफान आ रहे थे ... इन सबके बावजूद हमारे पूर्वजों के हृदय में एक ज्योति जलती रही। यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती रही, क्योंकि यह भक्ति की शक्ति से प्रज्वलित हो रही है। इस ज्योति से अभी बड़े–बड़े काम करने हैं। आतंकवाद, अत्याचार व भ्रष्टाचार की कलुषिता को मिटाना है। दासता के कालखंड में हमने जो कुछ खोया, उसे फिर से पाना है। भारत को विश्वगुरु बनाना है।

## ट्वीटर टॉक

कल अयोध्या में प्राण–प्रतिष्ठा के 'युग पर्व' पर जोधपुर की भदवासिया सब्ज़ी मंडी में प्रातः 5 बजे से प्रारंभ होने जा रहे उत्सवी कार्यक्रम में मेरी सहभागिता रहेगी। हम जोधपुरवासी हर्ष बिखेरती आतिशबाजी के मध्य एक स्वर में श्रीराम नाम का जयघोष करेंगे।

**–गजेन्द्रसिंह शेखावत**

दिल्ली के हिन्दू कॉलेज की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इस प्रतिष्ठित संस्था के पूर्व तथा वर्तमान विद्यार्थियों से संवाद किया। 'महामना' पं. मदन मोहन मालवीय जी के आदर्शों पर चलते हुए हिन्दू कॉलेज के विद्यार्थियों का राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान है।

**–ओम बिरला**

मेघालय, मणिपुर एवं त्रिपुरा के स्थापना दिवस की समस्त नागरिकों को शुभकामनाएं। अनेकता में एकता के प्रतीक पूर्वी अंचल के यह राज्य भारतीय प्राकृतिक संपदा एवं इतिहास की अक्षय पूंजी है। मैं यहां के निवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हूं।

**–वसुंधरा राजे**

## प्रेरक प्रसंग

# पानी जैसा लचीलापन

बात सितंबर सन 1971 की है। ब्रूसली एक प्रसिद्ध टीवी शृंखला लॉन्गस्ट्रीट के 'द वे ऑफ इंटरसेप्टिंग फिस्ट' शीर्षक वाले एक एपिसोड में ली त्सुग के किरदार में थे। इस शो मे वह मार्शल आर्ट कुंग फू के लिए दार्शनिक सलाह देते हुए कहते हैं, 'पानी के जैसा बनो मेरे दोस्त! जो दरारों से अपना रास्ता बनाता है। दृढ़ मत बनो, बल्कि परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाओ। यदि आपके भीतर कुछ भी कठोर नहीं रहेगा, तो बाहरी चीजें स्वयं प्रकट हो जाएंगी। अपने मन को खाली करो, आकारहीन पानी की तरह। स्थितियों के अनुकूल ढलने, बढ़ने और बदलने में सक्षम होना चाहिए। यदि आप एक प्याले में पानी डालते हैं तो वह प्याला बन जाता है। आप एक बोतल में पानी डालते हैं तो वह बोतल का आकार ले लेता है। पानी के लचीलेपन को अपनाओ और अनुकूलनीय बनो।' ली के ये वाक्य आम जीवन में भी प्रेरणा स्रोत हैं।

## सामयिक

### प्राण प्रतिष्ठा विशेष

# लौकिक और अलौकिक राम

**गुरुजी श्री नंदकिशोर**
संस्थापकः दर्पण फाउंडेशन बेंगलूरु

चाहे हम संवैधानिक दृष्टि से देखें, चाहे धार्मिक और, चाहे आध्यात्मिक दृष्टि से; प्रचलित अर्थों में देश शब्द का तात्पर्य देश के लोगों के रूप में ही लिया जाता है। इसलिए लोगों की ही बात करें तो कहना होगा कि, 'हम भारत के लोगों' में सर्व स्वीकृत सनातन जीवन मूल्यों के लिए, अपने जीवन को भी न्यौछावर करने में हिचक नहीं होती है। और पारस्परिक व्यवहार के स्तर पर धर्म कहते ही किसे हैं? इसे ही तो कहते हैं कि दैनंदिन जीवन–व्यवहार के माध्यम से हमारा जीवन सनातन मूल्यों को धारण करने के लिए समर्पित हो। क्या बिना सनातन मूल्यों के किसी भी धर्म के पूर्ण होने की कल्पना भी की जा सकती है? जीवन सनातन मूल्यों के लिए समर्पित हो तो हम सनातन धर्मी कहे जाते हैं। विचार कीजिए, क्या कोई भी ऐसा मूल्य, धर्म कहा जा सकता है जो सनातन न हो?क्योंकि, मूल्य ईश्वर स्वरूप होते हैं, ईश्वर सनातन है इसलिए, मूल्य सनातन ही होते हैं। इस तरह सनातन और धर्म एक दूसरे के पर्याय (हो जाते) हैं। और तब हम प्रतिज्ञा पूर्वक वैश्विक मन में यह भाव प्रतिष्ठित कर पाते हैं कि भारत वर्ष सनातन धर्म का देश है क्योंकि, देश की आत्मा में सनातन मूल्य बसते हैं।

हमारे इन जीवन–सत्य के तथ्यों को प्रमाणित करता हमारा गौरवशाली इतिहास तो है ही, वर्तमान भी है। वर्तमान का सौन्दर्य इस बात में निहित है कि इसे 'हम' उत्तरोत्तर सुंदर बना सकते हैं। जब हमारी दृष्टि में वर्तमान समय में अलौकिक विवेक की ज्योति सतत जले तभी हम, भूत–भविष्य का यथार्थ क्या है, यह भी स्पष्ट देख पाते हैं। अस्थाई अवधि के लिए मिले इस क्षण भंगुर मानव शरीर में अपने सनातन आत्मा होने के इसी रहस्य को जानने से 'हम' अजेय हैं। इस अजेय 'हम' में, व्यक्तिगत चैतन्य के स्तर पर विश्व में भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा जो स्वीकृत और सम्मिलित नहीं होना चाहेगा ? हमारा इतिहास ऐसे कथानकों से भरा पड़ा है जिसमें 'राम–काज क्षण भंग शरीरा' के भाव को चरितार्थ करने वाले चरित्रों की भरमार रहती आई है। मत मजहब के वशीभूत होकर कबीलाई और सामुदायिक मतान्ध कट्टरता तो अन्यत्र मिलती है पर, सनातन मूल्यों के प्रति ऐसी प्राथमिक प्रतिबद्धता, कि वह धर्म ही बन जाए, चरित्र ही बन जाए, अन्यत्र कहीं किसी संस्कृति में कदाचित ही देखने को मिले। भारत देश में मूल्यों के प्रति सब में ऐसी एक समान दृष्टि ही देश को राष्ट्र बनाती है। बात चाहे किसी व्यक्ति की हो, संस्कृति की हो या फिर किसी देश या सभ्यता की, सनातन भारतीय दृष्टि हरेक के अच्छे पक्ष को रेखांकित करना चुनती है। और जो न्याय संगत नहीं, तर्क सम्मत नहीं, शोभनीय नहीं, उसे उसी की स्वेच्छा से स्वयं ही दूर कर लेने के लिए संकेत मात्र करती है, ध्यान देकर रेखांकित नहीं करती।क्योंकि, जिस पर ध्यान दिया जाए वह चरित्र का अंग बन जाता है। नेशन स्टेट जहां मूल में भाषा, समुदाय, रिलीजन आदि के एक–से होने के आधार पर बने वहीं भारत, भाषाई विविधता, सांप्रदायिक विविधता, आध्यात्मिक एकता के आधार पर बना एक राष्ट्र है। जीवन में चरित्र की प्रधानता इसके मूल में है।

भगवान राम के प्रति भारत की सनातनी संस्कृति से संबंध रखने वाले जन–जन के मन में जो पारंपरिक वंशानुगत लगाव है वह इतना गहरा है कि, इसे कण कण में राम का होना कहें तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। भगवान राम के प्रति लगाव का कारण है मनुष्य के रूप में उनका इन सभी मूल्यों को उनकी पराकाष्ठा की सीमा तक अपने मर्यादित जीवन व्यवहार के माध्यम से आजीवन निभाना। वाल्मीकि रामायण में ऋषि वशिष्ठ के मुख से निकली राष्ट्र की परिभाषा तो राम के चरित्र पर ही केंद्रित है। वे कहते हैं, 'न हि तद भविता राष्ट्रम यत्र रामो न भूपतिः। तद वनम हि भविता राष्ट्रम यत्र रामो निवत्स्यसि।।' अर्थात बिना राम जैसे चरित्र और व्यक्तित्व (व्यक्ति नहीं ) को शासक चुने कोई जन संख्या राष्ट्र नहीं बन सकती। और राम जैसा चरित्र यदि वन में भी निवास करे तो वह वन भी राष्ट्र में परिवर्तित हो जाता है। भले ही तात्कालिक संदर्भ में यह बात व्यक्ति विशेष मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के बारे में कही गई थी किंतु, सार रूप में यह बात आज किसी व्यक्ति विशेष राम के बारे में नहीं है बल्कि, चरित्रवान व्यक्तित्व विशेष राम के बारे में है जिस व्यक्तित्व के गुण हरेक भारतवासी अपने चरित्र में देखना चाहता है। आज के प्रसंग में यह श्लोक हरेक के स्वभाव में अवतरित होने को आतुर भगवान राम के बारे में है। आज जब अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम के विग्रह में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है और वे अपने भक्तों के हृदय में सार्वजनिक उत्सव के माध्यम से प्रतिष्ठित हो कर मूर्तिमान हो रहे हैं तो पूरे विश्व की मानवता का ध्यान उनके चरित्र की ओर आकृष्ट होगा। वर्तमान समय में विकृत मनोरंजन सामग्री और नशीले पदार्थों के सेवन से मनोवैज्ञानिक रूप से रुग्ण होते दिख रहे विश्व की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को भगवान राम जैसे महामानव के चरित्र का परिचय पाने की महती आवश्यकता है। उनके चरित्र को समझने पर अपने मन की गहराइयों को जाना जा सकता है और वह जानने पर मानसिक व्याधियाँ दूर हो जातीं हैं क्योंकि उनके चरित्र में अलौकिक विवेक और संतुलन है। उनकी दृष्टि असीम और अपार है जिसमें मानव निर्मित सभी मानसिक समस्याओं का समाधान पाया जा सकता है। इस प्रकार राम का अयोध्या में विशाल मंदिर में प्रतिष्ठित होना लोक मंगल कारी है।

भारत वर्ष के लिए तो यह गौरवशाली अवसर है ही कि देशवासियों ने बिना किसी कलह के इतना बड़ा विवाद सुलझा लिया पर, साथ ही विश्व के उन अनेक देशों के समक्ष एक उदाहरण भी प्रस्तुत हुआ है जहां मजहब और रिलीजन के बीच भूमि विवाद के मामले अक्सर कलह और हिंसा के दृश्य उपस्थित करते हैं।

विकसित भारत के सपने को साकार करने में सांस्कृतिक रूप से संगठित हो रहा भारत अब नित नूतन ऊंचाइयां ही छूएगा क्योंकि हमारी संस्कृति में सबको साथ लेकर चलने का बीज नैसर्गिक है सनातन है। विश्व के पहले साहित्य कहे जाने वाले वैदिक मंत्रों में संगच्छध्वंम् की ध्वनि अनादि काल से गूँजती आ रही है। राम ने लंका जीती, किष्किन्धा जीता पर अपना उपनिवेश स्थापित नहीं किया। जो वहाँ के उत्तराधिकारी थे उन्हें ही उनका राज्य करने की विनती की। विनयी रहते हुए विजयी होना और विजयी होकर विनयी बने रहना राम होना है। क्या जन जन को राम नहीं होना चाहिए ! विनयशीलता भला किसे नहीं भाती? चाहे वह स्वयं में हो या दूसरे में। राम ऐसे ही हैं।

''सबको लगते बिल्कुल आम,
बिल्कुल ऐसे ही हैं राम।
पर विशिष्ट अतिशय सब उनमें,
उन ही में हैं सारे धाम ।।
बिल्कुल ऐसे ही हैं राम,
जो सबको लगते बिल्कुल आम।''

## विशेष

# सिया राम मय सब जग जानी

**हर्षवर्धन पाण्डे**

भक्त और भगवान की भांति राजा और प्रजा में प्रगाढ़ प्रेम को साकार करने के लिए राम के जीवन दर्शन को अपने जीवन में उतारना सहज और सरल भी है। राम ने अपने जीवनकाल में जो काम किये उसके चलते वे आज के समाज में आदर्श मानव के प्रतीक हैं। उनके द्वारा किये गए समस्त कार्य मानवीय थे। यद्यपि रामभक्त के लिए भगवान हैं लेकिन आज समाज में व्याप्त जड़ता से भक्ति पाने के लिए राम को आदर्श मानव के रूप में देखना अधिक प्रासंगिक है उनके जन्म लेने में भी अलौकिकता नहीं थी। उनके सभी कार्य भी मानव के वश में हैं। धनुष भंग, सीता विवाह, राज्य की प्राप्ति में वे मनुष्यों के प्रतियोगी थे। सीता हरण, राज्य, लक्ष्मण के बाण लगने के बाद वे सहानुभूति के पात्र हैं। उनके पदचि ों पर चलकर हम सहज ही मानवीय गुणों को संजोने का आनंद ले सकते हैं। भगवान राम का चरित्र एक आदर्श चरित्र है। मानव के रूप में आकर प्रभु ने मानव का कल्याण किया। भाई, पुत्र, पति और पिता हर नाते का सम्मान किया। मर्यादा का पाठ पढ़ाया और फिर जग से प्रस्थान किया।

तुलसीदास जी द्वारा वर्णित रामचरितमानस के अनुसार संगठित परिवार, आदर्श समाज सब अकस्मात नहीं हो गया, बल्कि उसके लिए काफी यत्न करना पड़ा। राम के परिवार को भी कैकई ने असंगठित करने का बहुत प्रयास किया परन्तु राम की सहजता और भारत के त्याग ने उनके परिवार को असंगठित होने से बचा लिया। सीता हरण, दानवों द्वारा उनके भक्तों पर अत्याचार, लक्ष्मण शक्ति लगने से राम को भाई के विछोह की आशंका इस बात का प्रमाण है कि राम भी भय से मुक्त नहीं थे। नहीं तो वे क्षण मात्र में निसाचरों का वध करके सीता को ले आये होते। अपने भक्तों पर दानवों द्वारा हो रहे अत्याचारों को भी वे क्षण मात्रा में ख़त्म कर देते लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

यद्यपि राम के काल में मानवता अपने चरम उत्कर्ष पर थी। मानव की बात तो दूर, वानर भी एक दूसरे के प्रति सहानुभूति रखते थे। एक –दूसरे की पीड़ा समझकर वे उसमें भागीदार बन जाते थे, तभी संगठित होकर लंका पर विजय पताका लहराई लेकिन दुःख है आज हम मानव होकर भी असंगठित हैं। परिवार में एकता नजर नहीं आती। सामाजिक ताना बना बिखर रहा है। जनता के असंगठित होने के कारण सभी आपस में धर्म और जाति की संकीर्णता में जकड़े हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम को भगवान के स्थान पर आदर्श मानव मानकर उनके द्वारा दिखलाये मार्ग पर चलने की आज आवश्यकता है। रामचरित मानस के आरम्भ में ही तुलसीदास अखिल विश्व के जीवों को ईश्वरमय मानते हुए कहते हैं 'जड़ चेतन जग जीव जग, सकल राममय जानि'।

कहने का तात्पर्य (सार्वभौमिक जगत की सत्ता में) समूचे संसार के समस्त जीव,जड़ चेतन, तुलसीदास को राममय प्रतीत होते हुए सभी को राम के तुल्य मानकर उनके चरण कमलों की सदा वंदना करने की बात उन्होनें स्वीकार की। जगत की सत्ता में मानव हित समस्त जीव राममय हैं तो जाति और धर्म का भेद कैसा? मानव का कर्तव्य है, सभी के प्रति आस्थावान होकर सबके कल्याण के लिए कर्म करना चाहिए। मानवकृत कर्म से सभी को सुखानुभूति कराना चाहिए। यही राम का आदर्श और आज के श्रेष्ठ कर्म है। इसके बिना सब कुछ अधूरा है।

आजकल राम के परिपेक्ष्य में श्रद्धा और आस्था की बात विगत कुछ वर्षों से की जा रही है। श्रद्धा और आस्था यह अचानक ही नहीं टपक पड़ती। प्राचीन भारत में ऐसे अनेक प्रमाण मिलते हैं कि संस्कार और सामाजिक समायोजन के अनुरूप मानव की प्रवृत्ति का निर्धारण होता है। उसी श्रद्धा और आस्था की अनुभूति होती है। तदनुरूप मानव अपने कर्म का सूक्ष्मासूक्ष्म विवेचन करने के बाद अच्छे मार्ग की और प्रशस्त होता है परन्तु सच्ची श्रद्धा और आस्था का विषय मानव हित हो। यदि

मानव के हित में सच्ची श्रद्धा और आस्था होगी तभी हम राम को समर्पित होकर अपने पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

श्रद्धा और आस्था यदि मानव हित के प्रति उन्मुख है, तब अंतर्मन स्वयं आह्लादित हो उठता है, जिससे हम अपने साथ –साथ दूसरे के हित के लिए कर्म करने पर उद्धत हो उठते हैं तभी सच्ची श्रद्धा और आस्था का प्रस्फुटन माना जा सकता है। यदि हमारी श्रद्धा समरस जीवों की समानता के प्रति निर्बद्ध है, तब अवश्य ही राम एक मानवीय स्वरुप की भांति कर्म करने हेतु हम अग्रसर हैं। इससे आदर्श भारतीय समाज का निर्माण संभव है। जब हमें सार्वभौमिक जगत के जीव राममय होकर प्रतीत होने लगते हैं तब अस्पृश्यता रुपी भेदभाव का ताण्डव कैसा?

हम अपने नैतिक कर्त्तव्य का निर्वाहन छुआछूत रुपी भेदभाव के कारण नहीं कर पाते। क्यों? क्या यह सार्वभौमिक जगत की सत्ता में मानव का स्वरुप नहीं है ? क्या वह ईश्वर जीव अंश अविनाशी से परे है? आज भी राम के मानवकृत कर्मों के आधार पर जीवन व्यतीत किया जा सकता है। राम कभी भी अस्पृश्यता जैसी संकीर्णताओं में नहीं पड़े। राम ने शबरी के जूठे बेर भी खाए। तब मैं और तुम , ऊंच और नीच और आस्था कैसी ? परहित सरिस धरम नहीं भाई को हम आज कहाँ स्वीकार कर रहे हैं ? इसकी पूर्णता तभी संभव है जब हम राम के मानवकृत कर्मों तो ओर अग्रसर हों , इसलिए तुलसीदास जी ने कहा है 'प्रिय लागहि अति सबहि सम, भनिति राम जस संग' (जीवों के राममय प्रतीति में ही प्रीति और इसी से जीवन की सार्थकता भी स्वयं सिद्ध हो जाती है।)

जहाँ तक प्राचीन भारत के राम के प्रति निष्ठा की बात है, इसके लिए रामतपिनी उपनिषद में कहा गया है कि एवं भूतं जगदाधारंभूतं , वंदे सच्चिदानंदमय। सो अच्छी बात है, हम राम सहित समस्त भूतप्राणियों को जगताधार के रूप में वरन करते हैं। भारतीय संस्कृति के अनुसार भी राम भगवान वे साधक जो गुफाओं और कंदराओं में रहते हैं राम को परम ब्रह्म मान रहे हैं। भगवान राम ने मित्रता का उदहारण मानव जाति को दिया है। सुग्रीव तथा विभीषण के साथ उनकी मित्रता उच्चकोटि की मित्रता का स्थान पाती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने कभी भी जाति के नाम पर भेद–भाव नही किया वे सबको समान समझते थे। उनकी नज़र में कोई–चोट या बड़ा नही था। इसका उदहारण भी रामायण में प्राप्त होता है । भगवान राम ने अपने मित्र निषाद राज गुह का सम्मान किया उन्हें अपने कंठ से लगाया,केवट की भक्ति पर तो वे बलिहारी है और जो तृप्ति उन्हें सबरी के बेर खा कर हुई वो तृप्ति उन्हें अवध और मिथिला के छत्तीस व्यजनों में भी प्राप्त नही हई।

श्रीराम निश्चित रूप से मर्यादापुरुषोत्तम हैं । उन्होंने सदैव ही मर्यादा में रह कर हर कार्य किया और धर्म के पथ पर आजीवन चलते रहे। रहस्योपनिद के अनुसार एक बार भगवान राम का नाम जप करने से मानव जीवन से मुक्ति मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है परंतु सामाजिक प्राणी के लिए एक लाख व्यक्ति न सही पर जितने जीवों की सेवा संभव हो करें, तभी आज जीवन का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। सामाजिक मानव के लिए यहाँ एक लाख बार राम के नाम का जप है। कंदराओं में रहने वाले साधक ऐसा करते होंगे, इसे नकारा नहीं जा सकता है पर बुद्धिजीवी माला लेकर जप करने बैठ जाएं और मानव हित के समस्त कार्यों का त्याग कर दें तो समाज उसे स्वीकारेगा भी नहीं। समाज उसे थोथा प्रलाप मानेगा, क्योंकि राम के नाम जप में हम जितना समय गवाएंगे उसमें नैतिक कर्म द्वारा जाने–अनजाने में समाज के निहितार्थ कार्य करेंगे, उसमें सभी को सुखानुभूति होगी। इसी में ईश्वर जीव अंश की पूर्णता भी है। ऐसा नहीं कि भगवान राम अपने जीवन भर दूसरों के लिए परेशान रहे बल्कि वनगमन, सीताहरण राजसत्ता की प्राप्ति तक के कर्म उन्होंने अपने पारिवारिक जटिलताओं के कारण किया। माता सीता का त्याग भी उन्होनें सामाजिक लोक लज्ज्ञावश किया।

एक बात अवश्य है कि उन्होंने कभी भी किसी के साथ अन्याय नहीं किया और अवसर आने पर हमेशा न्याय का साथ दिया। दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर साथ दिया। अपने भक्तों के प्रति वे उतने ही सच्चे रहे जितना कि भक्त उनके प्रति रहा। सभी के सुख में अपना सुख निहित समझा। राम ने अपने जीवन में अनेक बार ऐसे त्याग का प्रमाण प्रस्तुत किया , जिसे आज असंभव माना जाता है। आज भी हम उनके जीवन की भांति सभी के प्रति सच्चे हो सकते हैं। बस जरूरत है उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की आज आवश्यकता है। सार्वभौमिक सत्ता को राममय समझकर हम उसका आदर करें। आज के लिए तुलसीदास जी यही नवधा भक्ति है 'नवधा भक्ति कहूँ तोहि पाहीं 'को साकार करने के लिए समाज हित द्वारा जीवन मुक्ति का मार्ग ढूंढना ही आज के पुनीत अवसर पर श्रेयस्कर है।

प्रभु राम के बिना किसी के भी जीवन कल्पना ही नहीं की जा सकती। नए वर्ष पर भारत और अयोध्या के साथ पूरी दुनिया राममय' हो चुकी है। दरअसल यह हिंदुओं का ही नहीं, राष्ट्र के विराट उत्सव का दौर है। देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अभ्युदय का दौर है। यही हमारी सनातन परंपरा है। यह प्रभु राम की वापसी का अमृतकाल है।

वर्ष 2024 में अयोध्या का नया, सजा–संवरा और समर्पित रूप देखकर मन अनायास ही प्रफुल्लित हो जाता है। अयोध्या देवनगरी थी, प्रभु राम की जन्मस्थली थी और आज भी उसका स्थान बैकुंठ से कम नहीं है। आज भी प्रभु राम देश के कण–कण में व्याप्त हैं। 'जय श्रीराम' के उद्घोष आज जगह जगह सुनाई दे रहे हैं। प्रवासी भारतीय भी विदेशों में 22 जनवरी को दिवाली मनाने जा आ रहे हैं। श्रीराम तो सबके हैं और पूरा माहौल इस समय 'राममय' हैं। पूरी दुनिया में ऐसा उत्साह भारत के किसी आयोजन को लेकर देखने को नहीं मिलता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल अयोध्या का बल्कि पूरे देश का कायाकल्प हो रहा है। आज दुनिया में भारत की साख न केवल बढ़ी है बल्कि दुनिया का नजरिया हमारे प्रति बढ़ा है। 22 जनवरी के इस आयोजन एक बाद राम तो विश्व महानायक बन चुके होंगे और युगों–युगों तक जन के मन पर छाया रहेगा। दुनिया में राम का नाम चिरंजीवी रहेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

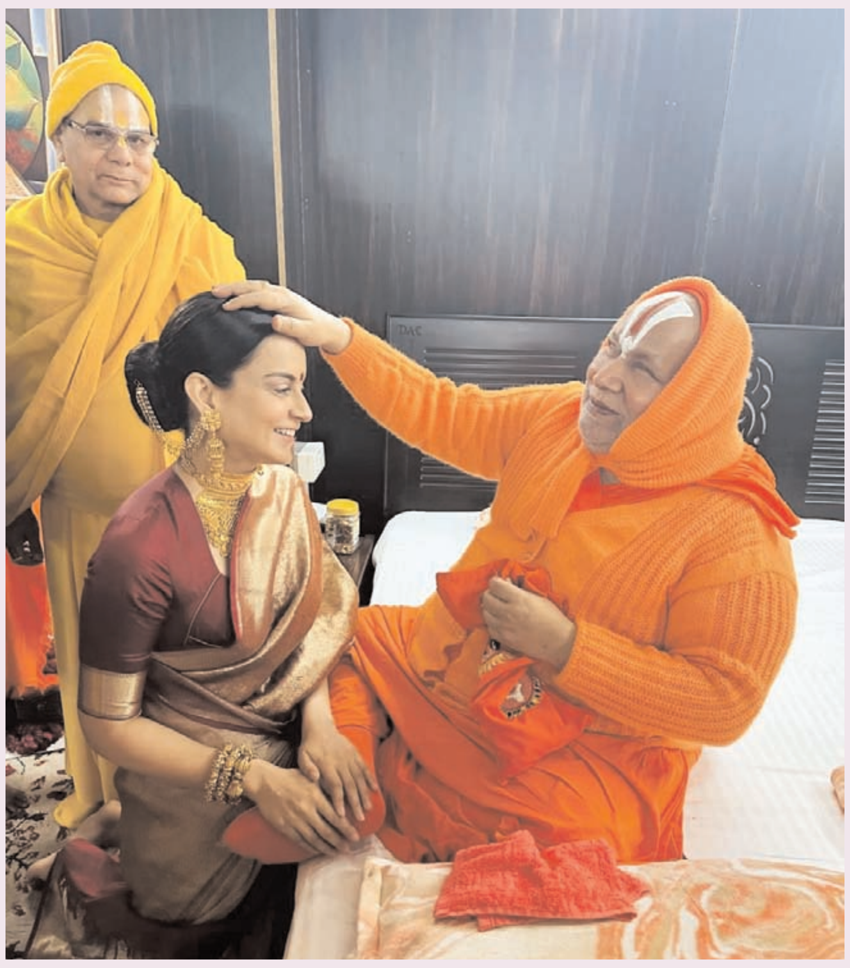

# राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हिस्सा बनना मेरा सौभाग्य : कंगना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या।अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि सोमवार को यहां राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया जाना उनका 'सौभाग्य' है। कंगना ने रविवार को अपने-अपने आध्यात्मिक गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की और यहां एक मंदिर में हो रहे यज्ञ में हिस्सा लिया। शनिवार को अयोध्या पहुंची कंगना ने कहा कि श्रद्धालु कल (सोमवार) भगवान राम के आने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां अपने गुरु रामभद्राचार्य जी से मिलने आयी हूं। कई पुजारी भगवान हनुमान का नाम लेकर अनुष्ठान कर रहे हैं और मंत्र पढ़ रहे हैं। यहां की ऊर्जा चमत्कारी है। अभिनेत्री ने संवाददाताओं से कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस (प्राण प्रतिष्ठा) समारोह का हिस्सा बनने का अवसर मिल रहा है। हम सभी रामलला के स्वागत की व्यवस्था करने में व्यस्त हैं।

उनके स्वागत के लिए पूरी अयोध्या नगरी फूलों से सजाई गयी है। भगवान राम हमें आशीर्वाद दें। जय श्री राम। सफाई अभियान के लिए हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचीं कंगना ने कहा कि भीड़ ने उन्हें घेर लिया, जिस कारण उन्हें जल्दी वहां से निकलना पड़ा।

उन्होंने कहा, हम सफाई अभियान के लिए हनुमान मंदिर आए थे। लेकिन हमें भीड़ ने घेर लिया और हम मंदिर परिसर को उतना साफ नहीं कर पाए जितना हम करना चाहते थे। हालांकि मैं सभी को हमारे मंदिरों को साफ रखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहूंगी। सिर्फ मंदिर का निर्माण पर्याप्त नहीं होगा बल्कि हमें इन स्थानों को साफ भी रखना होगा।

# निष्पक्ष चुनाव नहीं होने से पाकिस्तान में और अस्थिरता होगी : इमरान खान

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उनकी पार्टी को समान अवसर देने की मांग करते हुए कहा कि चुनाव में निष्पक्षता की कमी से 'अस्थिरता और अनिश्चितता' का माहौल बढ़ेगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक 71 वर्षीय खान ने शनिवार को अदियाला जेल में संवाददाताओं को अनौपचारिक रूप से संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने खान ने दावा किया कि उनकी पार्टी को चुनाव प्रचार करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से पार्टी को जनसभाएं करने में मुश्किलें हो रही हैं। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार उन्होंने कहा कि अधिकारी उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए 'प्रताड़ित' कर रहे हैं और उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। खान ने चेतावनी दी कि अगर निष्पक्ष चुनाव नहीं कराए गए तो इससे देश में 'अस्थिरता और अनिश्चितता' बढ़ जाएगी। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर में खान के हवाले से कहा गया है, चुनाव से सिर्फ तीन दिन पहले मुझे रिहा कर दो और केवल एक जनसभा करने की अनुमति दे दो और हर कोई देखेगा कि हम क्या हासिल कर सकते हैं।

# रामोत्सवः रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या की गलियों में लोक नृत्यों की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पहले रविवार को अयोध्या नगरी में उत्सव का माहौल दिखा जहां 'बधावा' से 'घूमर' तक के कई लोक नृत्य, लाउडस्पीकर पर गूंजते भगवान राम को समर्पित गीत और श्रीराम, सीता और हनुमान की वेश-भूषा में सजे लोगों के प्रति राहगीर बरबस ही आकर्षित होते दिखे। फूलों तथा रोशनी के साथ भगवा ध्वज से सजी गलियां भी लोगों का मन मोह रही थीं। कुल मिलाकर मंदिरों का शहर अयोध्या गुलजार है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले राम पथ पर कई स्थानों पर छोटे मंच बनाए गए हैं। देश भर से आए लोक नर्तक अलग-अलग नृत्य कर रहे हैं और राहगीरों को रुककर वीडियो बनाते और सेल्फी लेते देखा जा सकता है।

उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शहरभर में किए जा रहे लोक नृत्यों में बधावा, चरी, घूमर, धोबिया, राई, रासलीला, मयूर, ख्याल नृत्य और सतारिया शामिल हैं। राम मंदिर की ओर जाने वाली सड़कें एक 'लघु भारत' की तरह दिख रही हैं। इसी तरह का नजारा कल भी दिखेगा। गाते और नाचते भक्तों के समूह, रामायण के पात्रों के रूप में सजे हुए लोग और फूलों व पोस्टरों से सजे छोटे वाहन, जिन पर भगवान राम की तस्वीर लगाई गई है, पवित्र शहर की सड़कों पर रविवार को यह एक आम दृश्य था।

सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले मंदिर के मुख्य द्वार पर हजारों लोग एकत्र थे, जो पूरी तरह से फूलों से ढंका हुआ है। राजस्थान का लोक नृत्य 'घूमर' प्रस्तुत करने वाली प्रज्ञा दीवान ने कहा, हम हर साल भगवान राम की अयोध्या वापसी के उपलक्ष्य में दिवाली मनाते हैं और यहां यह अब तक की सबसे बड़ी दिवाली है। इसे क्यों नहीं धूमधाम से मनाया जाए? यहां के धार्मिक माहौल को शब्दों में वर्णित नहीं किया जा सकता या केवल कैमरे में दर्ज नहीं किया जा सकता है।

'रासलीला' प्रस्तुत करने वाले समूह में शामिल एक अन्य कलाकार उमापति ने कहा, प्रदर्शन करने के लिए इससे बेहतर वैश्विक मंच नहीं हो सकता है और भक्तों से हमें जो प्यार मिल रहा है वह अकल्पनीय है। लोग हमारे लिए चाय और भोजन ला रहे हैं, शायद 'राम राज्य' इसी तरह का होता है।

# भगवान राम भारत की संस्कृति और इसकी पहचान के अभिन्न अंग हैं : अरुण गोविल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। रामानंद सागर के मशहूर धारावाहिक 'रामायण' में राम की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाले अरुण गोविल का कहना है कि भगवान राम भारत की संस्कृति और इसकी पहचान के अभिन्न अंग हैं। रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल को उनकी सह-कलाकार दीपिका चिखलिया के साथ इस भव्य कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। दीपिका चिखलिया ने धारावाहिक में माता सीता की भूमिका निभाई थी। 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में अरुण गोविल ने कहा कि भगवान राम हमारे देश के गौरव, संस्कृति की पहचान और स्वाभिमान हैं। भगवान राम के चरित्र में साहस, गंभीरता, विचारशीलता,

बड़ों को दिया जाने वाला सम्मान ... सब कुछ है।

अभिनेता ने कहा कि वह मशहूर धारावाहिक में भगवान राम की भूमिका निभाने के लिए पहली पसंद नहीं थे। उन्होंने कहा, मैंने शुरुआत में ही रामानंद सागर जी से कहा था कि मैं केवल भगवान राम का किरदार निभाना चाहता हूं... मुझे रिजेक्ट कर दिया गया और यह भूमिका किसी और को ऑफर की गई। लेकिन बाद में मुझे इस भूमिका के लिए वापस बुलाया गया। रामायण ने गोविल को प्यार और पहचान दी, लेकिन इसके बाद उन्हें भूमिकाएं मिलनी कम हो गईं क्योंकि फिल्म निर्माताओं के लिए उन्हें किसी अलग भूमिका में कल्पना करना मुश्किल था। हालांकि, अभिनेता ने कहा कि किसी अन्य किरदार ने उन्हें इस स्तर का सम्मान नहीं दिलाया होता।

रामायण में अपनी भूमिका के बारे में गोविल ने कहा कि प्रोफेशनल लाइफ में इसके (रामायण) कई फायदे और नुकसान थे। उस वक्त मैं फिल्मों में अच्छा काम कर रहा था, लेकिन इसके बाद मैं फिल्मों में काम नहीं कर पाया। उस वक्त मुझे लगा कि यह मेरे लिए घाटा हो गया है लेकिन अब अहसास होता है कि अगर मैंने 500 फिल्में भी की होतीं, तब भी मुझे जो प्यार और सम्मान मिलता है वह नहीं मिल पाता। रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक बताया।

# राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सभी धर्मों के लोग विशेष प्रार्थना करें : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने रविवार को सभी धर्म के लोगों से सैहार्द को प्रोत्साहित करने के लिए सोमवार को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान विशेष प्रार्थना करने की अपील की है। शर्मा ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हिंदू धर्म की नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की जीत है। राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारा सुनिश्चित करने के लिए सभी को अपने-अपने तरीके से प्रार्थना करनी चाहिए। उन्होंने राज्य के सभी लोगों से सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद शाम को अपने-अपने घरों, दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के बाहर दीपक जलाने के साथ-साथ 'नामघर' (सामुदायिक प्रार्थना कक्ष) जाने का भी आह्वान किया।

शर्मा ने कहा, प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सभी धर्मों के लोगों को हिस्सा लेना चाहिए।मैं लोगों से राज्य में सौहार्द बनाए रखने की भी अपील की करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर संभव हो तो लोग कल प्राण प्रतिष्ठा तक उपवास रखें। शर्मा ने कहा कि सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कल की छुट्टी घोषित की गई है जबकि निजी शिक्षण संस्थानों से भी कल अवकाश घोषित करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि सोमवार को शराब की दुकानें बंद रहेंगी जबकि मांसाहार व्यंजन बेचने वाली दुकानें भी अपराह्ना चार बजे के बाद ही खुलेंगी।

# कैलिफोर्निया में भगवान राम को समर्पित कार रैली निकाली

ह्यूस्टन। अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अमेरिका में कैलिफोर्निया के बे एरिया में 1,100 से अधिक लोगों ने राम मंदिर के चित्र वाले भगवा झंडे थामकर विशाल कार रैली निकाली। इस रैली का आयोजन बे एरिया के छह स्वयंसेवी हिंदुओं ने किया। रैली सनीवेल से वार्म स्प्रिंग बीएआरटी स्टेशन, गोल्डन गेट तक निकाली गई। इसके अलावा शनिवार शाम को एक भव्य 'टेस्ला कार लाइट शो' का आयोजन किया गया। विशाल राम रथ के साथ निकाली गई इस रैली ने लगभग 100 मील की दूरी तय की और इस दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस की दो कार भी तैनात रहीं। इस रैली के छह आयोजकों में से एक रोहित शर्मा ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में आयोजित इस कार्यक्रम को उम्मीद से बढ़कर प्रतिक्रिया मिली।

मुख्य आयोजक दीप्ति महाजन ने कहा, अप्रत्याशित बारिश के कारण समापन स्थल बदलकर वार्म स्प्रिंग बीएआरटी स्टेशन किया गया। बारिश के बावजूद दो हजार से अधिक राम भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ।

# फिल्म 'कलाकंद' यूट्यूब पर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता दिनेशलाल यादव निरहुआ और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की फिल्म 'कलाकंद' यूट्यूब पर रिलीज हो गयी है। फ़िल्म 'कलाकंद' वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज की गई है। फिल्म 'कलाकंद' में दिनेशलाल यादव निरहुआ एक ऐसे नवयुवक का किरदार निभा रहे हैं, जो किसी फर्म में नौकरी करता है, लेकिन अचानक उसके पिता की मृत्यु हो जाती है। पिता का सपना था कि उनकी कलाकंद मिठाई की दुकान फिर से चालू हो, लेकिन दुकान, खेत और घर पर लाखों का कर्ज है, जिसे

बिना चुकाये दुकान नही खोल सकता है, उधर उसकी नौकरी भी घर की समस्याओं में उलझे रहने की वजह से छूट जाती है। उसकी शहरी प्रेमिका भी साथ छोड़ देती है। अब उस नवयुवक के पास कोई रास्ता नहीं बचता है सिवाय आत्महत्या करने का...वह रेलवे ट्रैक पर चला भी जाता है कि अचानक फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली अनजान लड़की आम्रपाली दुबे का कॉल आता है और प्रेम मोहब्बत भरी बातें करके आत्महत्या ना करने का सलाह देती है।

वर्ल्डवाइड चैनल और जितेंद्र गुलाटी के बैनर तले बनी फ़िल्म 'कलाकंद' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। सह-निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव हैं। वही कलाकंद' के लेखक एवं निर्देशक संतोष मिश्रा हैं। संगीतकार आर्या शर्मा, डीओपी माही शेरला हैं। फिल्म कलाकंद के मुख्य कलाकार दिनेश लाल यादव निरहुआ, आम्रपाली दुबे, नीलम गिरी, सुशील सिंह, संजय पांडेय, रीना रानी, संजीव मिश्रा, रचना यादव, अखिलेश शुक्ला, सन्नी शर्मा और संतोष पहलवान हैं।

# सितारे जमीन पर की शूटिंग फरवरी में शुरू करेंगे आमिर खान

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी आने वाली फिल्म 'सितारे जमीन पर' की शूटिंग फरवरी में शुरू कर सकते हैं। आमिर खान ने फिल्म लाल सिंह चड्ढा की फ्लॉप के बाद से फिल्मों से दूरी बना ली थी। आमिर बहुत जल्द फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। बेटी आइरा खान की शादी के बाद अब आमिर खान पूरी तरह से अपने करियर की तरफ ध्यान देने वाले हैं। चर्चा कि आमिर 02 फरवरी से फिल्म सितारे जमीन पर की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

इस फिल्म के लिए आमिर खान ने अपना लुक भी तय कर लिया है। कहा जा रहा है कि फिल्म सितारे जमीन पर की अधिकांश शूटिंग आमिर खान दिल्ली में करने वाले हैं। आमिर खान बतौर निर्माता फिल्म लाहौर 1947 बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म के काम की शुरुआत भी आमिर अगले महीने से कर सकते हैं।

# 'पांड्या स्टोर' के 1,000 एपिसोड पूरे

मुंबई/एजेन्सी

शो 'पांड्या स्टोर' में धवल का किरदार निभाने वाले टीवी एक्टर रोहित चंदेल ने शो के 1,000 एपिसोड पूरे करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि पूरे कलाकारों और क्रू के साथ काम करना घर जैसा लगता है। रोहित ने कहा, मैं 1000 एपिसोड पूरे होने पर बहुत उत्साहित हूं। मैं 1000 एपिसोड की इस यात्रा का हिस्सा बनकर बहुत आभारी और धन्य महसूस कर रहा हूं। पूरी कास्ट और क्रू सेलिब्रेट करेंगे। एक्टर ने कहा, 'मैं शो को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए पुराने कलाकारों को भी श्रेय देना चाहता हूं और इसे आगे ले जाने के लिए हमें भी। पंड्या स्टोर और प्रोडक्शन हाउस की टीम काम करने के लिए सबसे अच्छे लोग हैं, वे पेशेवर हैं लेकिन मिलनसार भी हैं और यह घर जैसा लगता है।'

रोहित ने कहा, यह दर्शकों का प्यार और सराहना है जो हमें प्रेरित करता है और हमें गर्व महसूस कराता है। शो में रोहित और प्रियांशी यादव मुख्य भूमिका में हैं। वर्तमान ट्रैक धवल की एक बार फिर शादी के इर्द-गिर्द घूमता है, लेकिन नताशा के साथ नहीं। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे क्या होता है, क्या धवल किसी और से शादी करेगा या नताशा के पास वापस जाएगा? 'पंड्या स्टोर' स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

# चाहत खन्ना ने 'श्रीमद रामायण' का हिस्सा बनने से किया इनकार

मुंबई/एजेन्सी

भव्य पौराणिक शो 'श्रीमद रामायण' का हिस्सा बनने के प्रस्ताव को अभिनेत्री चाहत खन्ना ने अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें एक अप्सरा का किरदार निभाने की पेशकश की गई थी और वह इसे निभाना नहीं चाहती थीं इसलिए उन्होंने विनम्रता से इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। चाहत ने कहा, सबसे पहले 'रामायण' जैसे विशाल पौराणिक शो में भूमिका के लिए विचार किया जाना सम्मान की बात है। हालांकि, मुझे इसे अस्वीकार करना पड़ा, और मैं इससे खुश नहीं थी। मुझे जो किरदार ऑफर किया गया वह एक अप्सरा का था, जिसे मैं निभाना नहीं चाहती थी। अगर यह सीता की

प्रमुख भूमिका होती तो मैं प्रस्ताव स्वीकार कर लेती।' क्या इसका मतलब यह है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर नकारात्मक भूमिकाएं निभाने से परहेज कर रही हैं? चाहत ने कहा, मुझे ज्यादातर ग्रे भूमिकाओं के प्रस्ताव मिलते हैं। हाल ही में, मैंने सोनी सब के एक प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि मैं एक शो साइन करने की कगार पर हूं जिसमें मैं नायिका की भूमिका निभाऊंगी।' जब चाहत से पूछा गया कि उन्हें किन शैलियों को तलाशने में दिलचस्पी है, तो उन्होंने कहा, मैं एक खूबसूरत परिपक्व प्रेम कहानी का हिस्सा बनना पसंद करूंगी। दरअसल, मैं फिलहाल एक परिपक्व प्रेम कहानी की पटकथा लिख रही हूं और मुझे उसमें नायिका की भूमिका निभाना अच्छा लगेगा।' एक परिपक्व प्रेम कहानी के लिए कलर्स की अफवाह वाली पेशकश के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया, मैंने अभी तक इस परियोजना पर हस्ताक्षर नहीं किया है, लेकिन यह विचाराधीन है। फिलहाल, मैं एक लेखक और निर्देशक के रूप में अपनी दूसरी लघु फिल्म पर काम कर रही हूं।

# रश्मिका मंदाना डीपफेक वीडियो मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के वायरल डीपफेक वीडियो के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी को स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने कई राज्यों में छापेमारी के बाद पकड़ा है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 465 (जालसाजी) और 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जालसाजी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66सी और 66ई भी लगाई गई है। यह कानूनी कार्रवाई दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की एक शिकायत के बाद हुई, जिसने

एक्ट्रेस से जुड़े 'डीपफेक' वीडियो पर स्वत: संज्ञान लिया था। डीसीडब्ल्यू की पूर्व प्रमुख स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा था, हमारे नोटिस के बाद, दिल्ली पुलिस ने रश्मिका मंदाना फर्जी वीडियो मामले में एफआईआर दर्ज की है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

8
# दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 22-01-2024
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जिस प्रकार फूलों में सर्वश्रेष्ठ गुलाब होता है वैसे ही गुरुओं में भी सर्वश्रेष्ठ है गुरु राजेन्द्रसूरीश्वरजी। गुरु का उपकार जिस पर हो जाता है उसका कल्याण हो जाता है। गुरु हमेशा पुण्य से व पुण्यशाली को मिलते हैं और जिसको भी मिलते है उसका जीवन सफल हो जाता है। राजेन्द्र सूरी ने जिनशान के लिए अनेक कार्य किए तथा उन्हें अनेक पदवियों से नवाजा गया परन्तु उन्होंने कभी की पद व पदवी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राजेन्द्र सूरी एवं सरल व तपस्वी संत थे।

# सेलम में हुआ श्री सीमंधर स्वामी मंदिर की अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव

## मुमुक्षु पूजा एवं दिव्या की जैन भगवती दीक्षा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सेलम।** रविवार को सुबह आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में राजारामनगर स्थित कवाड परिवार द्वारा स्व-द्रव्य से निर्मित श्री सीमंधर स्वामी मंदिर 'नमो सीमंधरम' का पूर्ण विधिवत रूप से मंत्रोच्चारण के साथ परमात्मा प्रतिमा प्रतिष्ठा का अंजनशलाका कार्यक्रम संपन्न हुआ। अष्टदिवस कार्यक्रम के सप्तम दिन आज सुबह से ही मानो सेलम नगरी में मेला लगा हुआ था। 'नमो सीमंधरम' में मूर्ति स्थापना के पश्चात पांच रोड स्थित रत्नावेल कल्याण मंडपम में जैन भगवती दीक्षा के भव्य समारोह में सम्मिलित होने हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। जैन समाज में दीक्षा का महोत्सव ढोल, नगाड़े, संगीत, नृत्य आदि के साथ बहुत भव्य और विशाल रूप से मनाया जाता है और सेलम में तो यह मुमुक्षु की दीक्षा का पहला अवसर था। बंटी (पूरणचंद) कवाड के सौजन्य से आयोजित इस संपूर्ण अष्टदिवसीय कार्यक्रम में सकल संघ के जैन श्रद्धालुओं ने खूब बढ़चढ़ कर भाग लिया। रोजाना सुबह शाम गुरु भगवंतों का प्रवचन

श्रवण, प्रभु महिमा का नाट्य मंचन दर्शन और देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये ख्यातिप्राप्त भक्ति गीत गायक कलाकारों की प्रस्तुति के साथ झूम-झूम कर सेलम नगरी का वातावरण पूरा धार्मिक बना था।

आचार्य श्री जिनमणिप्रभसुरीश्वरजी द्वारा सेलम्बा (फलौदी) की मुमुक्षु पूजा पारख और चांदवड (महाराष्ट्र) की मुमुक्षु दिव्या आबड को सकल संघ की साक्षी में परिजनों की आज्ञा तथा बहनों की अपनी स्वीकृति के पश्चात विधिपूर्वक दीक्षा प्रदान की गई। पहले परिवारवालों ने अपनी वैरागी लाडली का विजय तिलक किया और फिर दोनों ही मुमुक्षु बहनों ने गुरुदेव के कर कमलों से रजोहरण पाकर अत्यंत हर्ष की अनुभूति की और कृतज्ञता व्यक्त की। आचार्यश्री ने दोनों ही नव दीक्षित बहनों को बधाई आशीर्वाद देते हुए जीवनभर इस कठिन संयम मार्ग पर सुदृढ़ और गुरू आज्ञा में रहने का मंगल पाथेय सुनाया। दीक्षा समारोह का विहंगम दृश्य देख सेलम का जन जन हर्षोल्लासित था।

इसके अलावा सात माह पूर्व दीक्षित नूतन साध्वी प्रियमितांजनाश्री जी को बड़ी दीक्षा प्रदान करते हुए गुरुदेव ने उन्हें पांच महाव्रतों का संकल्प कराते हुए साध्वी दीक्षा दी। ललित कविकला कवाड ने सजोड़े परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर से बारहव्रत धारण किये। दीक्षार्थी बहनों की अनुमोदना मंगलभावना और लाभार्थी कवाड परिवार को साधुवाद आभार में साधु साध्वियों समेत अनेक वक्ताओं ने अपने भाव प्रस्तुत किये। बाहर से पधारे दीक्षार्थी बहनों के परिजनों के मुख से सेलम में इस तरह के प्रथम आयोजन पर इतनी सुंदर व्यवस्था की तारीफ सुन कर सेलम का प्रत्येक जैन श्रावक स्वयं को बहुत सौभाग्यशाली महसूस कर रहा था। अंत में बंटी कवाड और उनकी धर्मपत्नी ने पुज्य गुरुदेव के चरणों में अनंत कृतज्ञता अर्पित की और इस पूरे आध्यात्मिक अनुष्ठान को सफल सुंदर बनाने के लिए सकल संघ से मिले अद्भुत सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

# संस्कार शाला द्वारा निकाली गई भगवान राम की शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भारतीय संस्कृति संरक्षण समिति के तत्वावधान में रविवार को कोंडीतोप स्थित श्रृंगेरी मठ से भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सोमवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस संदर्भ में समिति द्वारा चलाई जा रही संस्कार शाला में आने वाले सभी सनातन धर्मी बच्चों के अलावा माताएं, बहनें और भाईयों ने इस शोभायात्रा में भाग लिया। सुबह श्रृंगेरी मठ से सीधे मिन्ट स्ट्रीट होते हुए शोभायात्रा राजेश्वर भवन पहुंची। यहां सुबह 11 बजे चौधरी आंजणा समाज द्वारा रामदरबार की भव्य आरती

की गई। और सभी का स्वागत किया गया।

राजेश्वर भगवान के दर्शन एवं आरती के बाद हनुमान चालीसा का पाठ एवं भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र आदर्श, त्याग के बारे में समिति के संयोजक हनुमानराम पटेल ने बताया कि सभी को रामजी के पथ पर चलने की बात बताई। चौधरी आंजणा समाज के संरक्षक नरिंगाराम ने कहा कि बचपन से बच्चों में अच्छे संस्कार आए इसलिए समिति द्वारा हर रविवार को चल रहे बाल संस्कार शिविर सबके लिए जरूरी है। समिति द्वारा 22 जनवरी को हर घर में सभी को दीवाली मनाने व प्राण प्रतिष्ठा लाइव देखने व भजन संकीर्तन करने का आह्वान किया गया। समाज द्वारा समिति को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समिति के अध्यक्ष चम्पालाल प्रजापत, सचिव प्रवीण त्रिवेदी, वरिष्ठ मोती सिंह राजपूत, जयंतीलाल, बाबूलाल आदि एवं समाज के अध्यक्ष जोगाराम सचिव भारता राम दिनेश चौधरी आदि इस मौके पर उपस्थित थे।

# छरि पालित संघ की पत्रिका लेखन कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर में रविवार को पत्रिका लेखन और शोभायात्रा का आयोजन किया गया। सुबह अमरललित भवन से बैंड बाजे के साथ साध्वीश्री वीरेशपद्माश्रीजी की निश्रा में सकल संघ के साथ लाभार्थी शांतिदेवी चम्पालाल कंकुलोल परिवार के सदस्यों ने राजस्थानी वेशभूषा में शोभायात्रा के रूप में मंदिर पहुंचे।

धर्मसभा में पत्रिका लेखन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी का स्वागत सिरेमल कंकुलोल ने किया। संचालन सज्ञनराज कंकुलोल ने किया। सभी लाभार्थी परिवार के सदस्य गद्दी पर बैठकर मंदिर के ट्रस्टीगण के साथ सिद्धाचल छरी पालक निम्न पत्रिका का विधिपूर्वक लेखन किया।

इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि धन्य है जो परिवार इतना बड़ा छरि पालित संघ सोनाघड़ से पालीताना तक आचार्यश्री की निश्रा में लेकर जा रहा है। परिवार को आशीर्वाद ।

कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों के साथ समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कोयम्बटूर से 24 फरवरी को यह संघ रवाना होगा।

# वैष्णव कॉलेज के दीक्षांत समारोह के दूसरे दिन 2151 स्नातक विद्यार्थियों ने प्राप्त की पदवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कालेज के द्वारका आडिटोरियम मे रविवार को हुए 56वें दीक्षांत समारों के दूसरे दिन वर्ष 2022 में उत्तीर्ण हुए 2151 स्नातक छात्रों को उपाधि प्रदान की गयी।

पांच सत्रों में सम्पन्न हुए इस समारोह के प्रथम सत्र में मुख्यअतिथि के रूप में फिनस्पायर अकेडेमी के संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी सीए गणेश वैदीश्वरन ने सभी को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आज युवा विशाल सुअवसर के साथ जी रहा है। स्नातक के लिए जीतने के कई अवसर उपलब्ध हैं जितने गत 15 साल पहले नहीं थे। विशाल क्षेत्र युवा पीढ़ी को मिल रहा है। सभी को इसका लाभ उठाना चाहिए। द्वितीय सत्र में अखिल भारतीय लघु उद्योग के उपाध्यक्ष हरिहरन राममूति मुख्यअतिथि थे। वहीं तीसरे सत्र के मुख्य अतिथि वेल्स इंस्टीट्यूट के चांसलर डॉ. ए जोति मुरुगन थे।

चौथे सत्र में मुख्यअतिथि एलाएन्स यूनिर्वसिटी बेंगलूरु के रजिस्ट्रार डॉ. केए वेंकटेश व अंतिम सत्र में रेजिनेक्स सुपरलेब के निदेशक डॉ. एम सुब्रमनियम ने सभी को संबोधित किया। सभी ने समय के अनुसार शिक्षा का उपयोग करते हुए सफलता के पायदानों पर चढ़ एक अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया और कालेज रिपोर्ट प्रस्तुत किया। सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा ने समारोह के शुभारंभ की अनुमति प्रदान की और सभी पदवीधारियो को बधाई दी। डॉ. अर्पणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# कोयम्बटूर में तीर्थंकर ऋषभदेव व अन्य प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां साईबाबा कॉलोनी स्थित ऋषभ दर्शन भवन में रविवार को सुबह प्राण प्रतिष्ठा निमित्त विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए गए। आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. के निर्देशानुसार गणिवर्य महेुलप्रभश्रीजी व मुनिश्री मंथनप्रभसागरजी म. सा. के सान्निध में रविवार को विभिन्न अनुष्ठान हुए। पूजन क्रिया और मंत्र उच्चारण से विधि पूर्वक भगवान आदिनाथ, गुरुदेव कुशलश्री, गौतम स्वामी और अन्य प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया गया। सुबह इस कार्यक्रम में मुनिश्री मेहुलप्रभसागरजी म. सा. ने कहा कि सभी प्रतिमाओं की अंजनश्लाका आचार्यदेव श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा के लाई गई। आचार्यश्री के आशीर्वाद से लाभार्थियों ने शनिवार को एक विशाल वरघोड़ा निकालकर मूर्तियां ऋषभ दर्शन भवन पहुंची।

आज यहां पर पावन प्रतिष्ठा संपन्न हुई। जिनालय में ऋषभदेव

परमात्मा के रत्न द्वारा निर्मित प्रतिमा विराजित की गई। इसके साथ गणधर गौतम स्वामी एवं दादा गुरुदेव की प्रतिमा की भी प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की धर्म सभा को संबोधित करते हुए श्री मेहुल प्रभसागरजी ने कहा कि यह प्रतिष्ठा हमारे जीवन में हमारे गांव में समृद्धि लेकर आने वाली है। इस प्रतिष्ठा से हमारे जीवन में शांति का संचार होने वाला है। सभी लोग विश्व शांति की कामना से इस प्रतिष्ठा को देखें घर में जब परमात्मा पधारते हैं तब इस समय घर का वातावरण अलौकिक बन जाता है और जब साक्षात तीर्थंकर आते हैं तब देवताओं को भी सेवा में रहना पड़ता हो आज प्रतिष्ठा के समय अद्भुत माहौल था। श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों में जमकर ताली बजाते हुए नृत्य किया। इस अवसर पर पूनमचंद कुसुम लता आदि परिवार ने सकल संघ का स्वागत करते हुए परमात्मा की भक्ति में जुड़ने का निवेदन किया। पूर्ण विधि विधान इंदौर से पधारे रत्नेश मेहता ने किया।

लाभार्थी परिवार द्वारा खरतरगच्छ संघ भवन में स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। जिनदत्तसूरी दादावाड़ी के अध्यक्ष विजयचन्द झाबक, खरतरगच्छ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोलेछा, सचिव श्यामसुन्दर लुनिया, युवा अध्यक्ष दीपक नाहटा सहित अनेक पदाधिकारी इस मौके पर उपस्थित थे। दोपहर को लघु शांति पूजन का भी अयोजन किया गया। सचिव श्याम सुंदर लूनिया ने बताया की सोमवार को संतों के सानिध्य में शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर से शहर की दूसरी प्रतिष्ठा निमिति प्रतिमाओं के साथ वरघोड़ा निकाला जाएगा।

# खेतेश्वर बाल संस्कार शाला हुई राममय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजपुरोहित ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश सिंह ने बताया कि भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर अयोध्या में बन रहा है। इस मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में होने जा रहा है। 22 जनवरी को सभी अपने अपने घरों में पांच दिए जलाएं और दोपहर में प्रभु कीर्तन एवं भगवान के दरबार की विशेष पूजा करें।

रविवार को ट्रस्ट द्वारा संचालित खेतेश्वर बाल संस्कार शाला में भी दीप उत्सव और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्कार शाला के बच्चों द्वारा सुन्दर रामदरबार की झांकी सजाई गई।

इस मौके पर ट्रस्ट के सचिव दातार सिंह करमावास, मदन सिंह वरकाणा, कान सिंह बरना, खेत सिंह रतनपुरा, जवान सिंहजी ठाकुरला, जब्बरसिंह ढोला, राहुल सिंह मादड़ी, रोहित सिंह राजगुरू बासनी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

# अलसूर में निकली राम भक्ति भावना जागृति रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** अलसूर में राम जन्मभूमि पर राम लल्ला के प्राण प्रतिष्ठा के संदर्भ में आम जन को भक्ति भावना से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष रैली का आयोजन किया गया। पूर्व मेयर गौतमकुमार ने नेतृत्व में कार्पोरेशन मैदान से जोगुपाल्यम तक की रैली निकाली गई जिसमें अनेक राम भक्त शामिल हुए।

रैली को संबोधित करते हुए बेंगलूरु मध्य के सांसद पीसी मोहन ने कहा कि राम मंदिर हमारे जीवन की श्रेष्ठ उपलब्धि है। राम का जीवन आदर्श जीवन था और राम राज्य श्रेष्ठ शासन प्रणाली है। राम मंदिर के प्रतिष्ठा के बाद भारत का श्रेष्ठ भविष्य अब आकार लेगा।

गौतम कुमार ने सभी से आव्हान किया कि हम राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा प्रसंग को उत्सव के रूप में मनाए और घर घर दीप जलाएं। राम हमारी उज्ञवल संस्कृति के प्रतीक है।

इस मौकेपर डमलूर के पूर्व पार्षद गुंडण्णा, सप्तगिरी गौड़ा, अलसूर जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया, मंत्री अभयकुमार बांठिया के साथ अनेक युवा सदस्य उपस्थित थे।

# रामलला प्राण प्रतिष्ठा संदर्भ को लेकर सुन्दरकांड का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में अयोध्या में श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष में 1340वां सुन्दरकाण्ड पाठ सम्पन्न किया गया। यहां नारायणी धाम के राणी सती दादी मंदिर में सुन्दरकांड का पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण से किया। पाठ में बालाजी महाराज की कृपा से बड़ी संख्या में भक्त आए। मंडल के उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने संदीप शर्मा परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मंडल के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.